गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति ने कहा, कोरोना से उबरते हुए आर्थिक तरक्की के रास्ते पर है देश ,संविधान के इन मूल्यों में ही हमारी सामूहिक विरासत दिखाई देती है।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 45 दिनांक: 26-01-2022 बुधवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

73वें गणतंत्र दिवस पर बुधवार को राजपथ पर कई चीजें पहली बार होंगी। इनमें वायुसेना के 75 विमानों का फ्लाई-पास्ट प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया के माध्यम से प्रदर्शन और परेड दिखाने के लिए 10 एलईडी स्क्रीन जैसे आयोजन शामिल हैं।

वीरता के लिए 189 सहित कुल 939 सेवा पदकों की घोषणा, राष्ट्रपति पुलिस वीरता पदक किसी को नहीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकार ने मंगलवार को गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर विभिन्न केंद्रीय और राज्य पुलिस बलों के कर्मियों के लिए वीरता के लिए 189 सहित कुल 939 सेवा पदकों की घोषणा की। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी), विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक और मेधावी सेवा के लिए पुलिस पदक से सम्मानित कर्मियों के नाम वाली एक सूची प्रकाशित की है।

इस बार किसी को भी शीर्ष श्रेणी के राष्ट्रपति पुलिस वीरता पदक (पीपीएमजी) नहीं दिया गया है। 189 वीरता पुरस्कारों में से 134 कर्मियों को जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में उनकी वीरता के लिए, 47 को वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) प्रभावित क्षेत्रों में उनकी बहादुरी के लिए और उत्तर-पूर्व क्षेत्र में समान आचरण के लिए एक कर्मचारी को सम्मानित किया जा रहा है।

सबसे अधिक बहादुरी पदक, 115, जम्मू और कश्मीर पुलिस को दिए गए हैं, इसके बाद 30 केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), छत्तीसगढ़ पुलिस को 10, ओडिशा पुलिस को नौ, महाराष्ट्र पुलिस को सात पदक दिए गए हैं। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के सीमा सुरक्षा बलों में से प्रत्येक को तीन और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को दो पदक दिए गए हैं।

28 कर्मियों को विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया है जबकि 662 कर्मियों को मेधावी सेवा पदक से सम्मानित किया गया है। 42 अग्निशमन सेवा पदक, पुलिस कर्मियों के लिए 37 सुधार सेवा पदक और 51 'जीवन रक्षक पदक' की भी घोषणा की गई है।

पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य ने ठुकराया पद्म पुरस्कार

नई दिल्ली (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य ने पद्म पुरस्कार ठुकरा दिया है। उन्होंने एक बयान में कहा, ठमैं पद्म भूषण पुरस्कार के बारे में कुछ नहीं जानता, किसी ने मुझे इसके बारे में नहीं बताया। अगर मुझे पद्म भूषण से सम्मानित किया गया होता, तो मैं इसे अस्वीकार कर देता।ठ

गणतंत्र दिवस पर सरकार की ओर से अपने क्षेत्र में देश का गौरव बढ़ाने वाले लोगों को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। इसमें पद्म विभूषण सम्मान के लिए चार नामों का चयन किया गया है। देश की रक्षा में कई बार अदम्य साहस दिखाने वाले जनरल बिपिन रावत को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया जाएगा। पिछले साल दिसंबर महीने में एक हवाई दुर्घटना में उनकी मौत हो गई थी। वे उस वक्त देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ पद पर थे।

गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होंगे 75 विमान

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस बार का गणतंत्र दिवस परेड कुछ खास होने वाला है। इस बार की परेड में इतिहास में पहली बार 75 विमानों का फ्लाई पास्ट होगा। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि 75 विमानों का भव्य फ्लाई-पास्ट सांस्कृतिक प्रदर्शन, 75 मीटर लंबाई के 10 स्क्रॉल का प्रदर्शन और 10 बड़े एलईडी स्क्रीन लगाए जाने जैसे कार्यक्रम बुधवार को गणतंत्र दिवस परेड में पहली बार होंगे। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि गणतंत्र दिवस परेड-2022 भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में हो रही है जिसे पूरे देश में आजादी का अमृत महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। ग्रैंड फिनाले और परेड के सर्वाधिक प्रतीक्षित खंड फ्लाई-पास्ट में पहली बार भारतीय वायुसेना के 75 विमान आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में दिखेंगे। मंत्रालय ने कहा कि पहली बार भारतीय वायुसेना ने फ्लाई-पास्ट के दौरान कॉकपिट का वीडियो दिखाने के लिए दूरदर्शन के साथ तालमेल बैठाया है। बयान में कहा गया कि राफेल, सुखोई, जगुआर, एमआई-17, सारंग, अपाचे और डकोटा जैसे पुराने और वर्तमान आधुनिक विमान फ्लाई-पास्ट में राहत, मेघना, एकलव्य, त्रिशूल, तिरंगा, विजय और अमृत सहित विभिन्न संयोजन (फॉर्मेशन) का प्रदर्शन करेंगे। मंत्रालय ने कहा कि पहली बार परेड के दौरान राजपथ पर 75 मीटर लंबाई और 15 फुट ऊंचाई के 10 स्क्रॉल प्रदर्शित किए जाएंगे। बयान में कहा गया, 'वे (स्क्रॉल) रक्षा और संस्कृति मंत्रालयों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कला कुंभ कार्यक्रम के दौरान तैयार किए गए थे।' ये स्क्रॉल दो चरणों में भुवनेश्वर और चंडीगढ़ में देशभर के 600 से अधिक प्रसिद्ध कलाकारों और युवा कलाकारों द्वारा चित्रित किए गए थे। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि पहली बार परेड में सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शन करने वाले कलाकारों का चयन राष्ट्रव्यापी प्रतियोगिता के जरिए किया गया है। इसने कहा कि प्रतियोगिता वंदे भारतम 323 समूहों में लगभग 3,870 नर्तकों की भागीदारी के साथ जिला स्तर पर शुरू हुई थी जिसमें कलाकार नवंबर और दिसंबर में दो महीने की अवधि में राज्य और जोनल स्तर तक के कार्यक्रमों में पहुंचे।

दिल्ली सहित पूरे उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश की राजधानी दिल्ली सहित पूरे उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मौसम का पूर्वानुमान लगाने वाली एजेंसी का कहना है कि कोल्ड डे के हालात पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली औ- पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अगले दो दिन और बने रहने के आसार हैं। मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में कोल्ड डे औ- कुछ हिस्सों में सीवियर कोल्ड डे यानी भीषण ठंड का कहर अगले 3-4 दिनों में देखने को मिलेगा। पंजाब, हरियामा, यूपी और उत्तर भारत के अन्य मैदानी इलाकों में भी ठिठुरन औ- गलन कायम रहेगी। तेज हवाओं के कारण शीत लहर का प्रकोप जारी रहेगा।

दिल्ली में 26 जनवरी के बाद सर्दी और भयंकर रूप धारण करेगी। हालांकि दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में दो फरवरी तक बारिश होने की कोई संभावना नहीं है। उल्लेखनीय है दिल्ली में इस साल जनवरी में ठंड का 122 साल का रिकॉर्ड टूटा है। शहर में रविवार को 88.2 मिलीमीटर बरसात हुई थी।

उपराष्ट्रपति ने 73वें गणतंत्र दिवस पर देशवासियों को बधाई दी

नई दिल्ली (ईएमएस)। उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडु ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर देशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि "मैं 73वें गणतंत्र दिवस समारोह के इस आनंदपूर्ण अवसर पर अपने देश के समस्त नागरिकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। हमारा संविधान हमारा मार्गदर्शक है और हमारा नैतिक मानदंड है। इसने एक ऐसी नींव डाली है जिस पर हमारा महान राष्ट्र टिका है और जिसके जरिए राष्ट्र प्रशासित होता है। गणतंत्र दिवस हमारे संविधान में निहित स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और सभी के लिए न्याय के सिद्धांतों के प्रति अपनी आस्था को दोहराने का उपयुक्त अवसर है। यह उन स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति हार्दिक आभार प्रकट करने व उन्हें याद करने का भी अवसर है जिनके निःस्वार्थ बलिदानों से इस महान गणतंत्र का जन्म हुआ है। आइए, इस आनंदपूर्ण दिवस पर हम अपने गणतंत्र की उपलब्धियों का गुणगान करें और भारत को एक शांतिपूर्ण, सामंजस्यपूर्ण एवं प्रगतिशील देश बनाने की दिशा में सत्यनिष्ठा से स्वयं को समर्पित करने का संकल्प लें।

गांधी जी चाहते थे कि हम सब आत्मनिरीक्षण करें और देश के साथ विश्व की बेहतरी के लिए काम करें - राष्ट्रपति

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या को मंगलवार को राष्ट्र के नाम संबोधनमें कहा कि गणतंत्र दिवस का यह अवसर उन वीर महानायकों को याद करने का भी है, जिन्होंने देश के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया। दो दिन पहले नेताजी सुभाष चंद्र बोस की डिजिटल प्रतिमा का अनावरण भी किया गया। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे संविधान का स्वरूप विस्तृत है, लेकिन इसकी प्रस्तावना में स्वतंत्रता, समानता जैसी बुनियादी बातें लिखी हुई हैं। मूल अधिकार औ- मूल कर्तव्यों को भी संविधान में महत्वपूर्ण ढंग से उल्लेखित किया गया है। ये दोनों ही एक सिक्के के दो पहलू हैं। राष्ट्रपति ने कहा, आज नया भारत उभर रहा है-यह सशक्त भारत-संवेदनशील भारत है।

स्वच्छता अभियान से लेकर कोरोना टीकाकरण तक जन अभियान की सफलता इसी बात का परिचायक है कि देशवासी किस कर्तव्यनिष्ठा से देश सेवा में जुटे हैं। 26 नवंबर 1949 को संविधान दिवस मनाया जाता है। सन 1930 से 1947 तक हर वर्ष को पूर्ण स्वराज दिवस के तौर पर मनाया जाता है और उसी दिन को संविधान को पूरी तरह अंगीकार करने के तौर पर मनाया गया। महात्मा गांधी ने कहा था कि गणतंत्र दिवस के दिन को किसी रचनात्मक कार्य में लगाना चाहिए।

गांधी जी चाहते थे कि हम सब आत्मनिरीक्षण करें और देश के साथ विश्व की बेहतरी के लिए काम करें। अब दो साल से अधिक समय बीत गया है, लेकिन मानवता का महामारी के खिलाफ संघर्ष जारी है। पूरे देश की अर्थव्यवस्था को आघात पहुंचा है, नित नए रूपों में ये वायरस संकट पैदा कर रहा है। यह एक असाधारण चुनौती बना हुआ है। हमारे देश में जनसंख्या का घनत्व ज्यादा है और हमारे पास शुरुआत में पर्याप्त संसाधन नहीं थे, लेकिन ऐसे समय में किसी देश की क्षमता निखरती है। हमने कोरोनावायरस से लड़ने की दिशा में असाधारण प्रदर्शन किया है। हम अब दुनिया में सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चला रहे हैं।

राष्ट्रपति ने कहा, संकट की इस घड़ी में हम सभी ने ये देखा है कि कैसे हम सभी देशवासी एक परिवार की तरह आपस में जुड़े हुए हैं। सोशल डिस्टेंसिंग के कठिन दौर में हम सबने एक-दूसरे के साथ निकटता का अनुभव किया है। हमने महसूस किया है कि हम एक-दूसरे पर कितना निर्भर करते हैं। कठिन परिस्थितियों में लंबे समय तक काम करके, यहां तक कि मरीजों की देखभाल के लिए अपनी जान जोखिम में डाल कर भी डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिक्स ने मानवता की सेवा की है। बहुत से लोगों ने देश में गतिविधियों को सुचारु रूप से जारी रखने के लिए यह सुनिश्चित किया है कि अनिवार्य सुविधाएं उपलब्ध रहें और सप्लाई-चेन में रुकावट न पैदा हो।

देश के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत को मरणोपरांत पद्म विभूषण से नवाजा गया

नई दिल्ली (ईएमएस)। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर फ़्रहोशित किये पद्म पुरस्कारों में देश के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत को मरणोपरांत पद्म विभूषण से नवाजा गया है। कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद, बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेब भट्टाचार्य, देश में कोरोना का स्वदेशी टीका विकसित करने वाली हैदराबाद की कंपनी भारत बायोटेक के मालिक कृष्णा इल्ला और सुचित्रा इल्ला, सीरम इंस्टीटयूट ऑफ इंडिया से जुड़े साइरस पूनावाला और माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नदेला को पद्म भूषण से नवाजा गया है।

यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री और पिछड़ा वर्ग के बड़े नेता कल्याण सिंह को पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया है। इस साल चार पद्म विभूषण पुरस्कारों की घोषणा की गई है, जिनमें तीन शख्सियतों को मरणोपरांत ये सम्मान दिया गया है। सीडीएस जनरल बिपिन रावत और कल्याण सिंह के अलावा राधेश्याम खेमका को साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित करने का ऐलान किया गया है। खेमका, कल्याण सिंह और सीडीएस बिपिन रावत तीनों ही उत्तर प्रदेश से ताल्लुक रखते हैं। उनके अलावा प्रभा अत्रे को कला क्षेत्र में पद्म विभूषण दिया गया है। पद्म पुरस्कार देश के शीर्ष नागरिक पुरस्कारों में शामिल हैं। इसमें पद्म विभूषण, पद्म भूषण औ- पद्म श्री सम्मान कला, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक सेवा, साहित्य, कारोबार, औषधि, खेलकूद जैसे विभिन्न क्षेत्रों में दिए जाते हैं।

जबकि 17 हस्तियों को पद्म भूषण देने की घोषणा हुई है। इसमें गुलाम नबी आजाद, पश्चिम बंगाल से कला क्षेत्र में विक्टर बनर्जी, पंजाब से कला क्षेत्र में गुरमीत बावा (मरणोपरांत), बंगाल के पूर्व सीएम बुद्धदेब भट्टाचार्य, वाणिज्य एवं उद्योग क्षेत्र में महाराष्ट्र से नटराजन चंद्रशेखरन, तेलंगाना से कृष्णा इल्ला और सुचित्रा इल्ला शामिल हैं। कृष्णा और सुचित्रा भारत बायोटेक कंपनी के मालिक हैं, जिन्होंने स्वदेशी कोरोना वैक्सीन कोवैक्सीन विकसित की है।

गुलाम नबी आजाद, बुद्धदेब भट्टाचार्य जैसी विपक्षी नेताओं को पद्म भूषण देकर बड़ा संदेश देने की कोशिश की गई है। अमेरिका से मधुर जेफ्री का नाम पद्म भूषण में शामिल है। राजस्थान से खेलकूद क्षेत्र में देवेंद्र झाझरिया, यूपी से कला क्षेत्र में राशिद खान, राजस्थान ताल्लुक रखने वाले राजीव महर्षि को सिविल सेवा क्षेत्र में यह सम्मान मिला है। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई, माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नरायण नदेला को भी पद्म भूषण दिया गया है। महाराष्ट्र से वाणिज्य एवं उद्योग क्षेत्र में साइरस पूनावाला को पद्म भूषण मिला है, जो सीरम इंस्टीटयूट से जुड़े हैं।

तमिलनाडु से ताल्लुक रखने वाले और फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर गायक एस बालासुब्रमण्यम को भी मरणोपरांत पद्म भूषण से सम्मानित किया गया है। दिल्ली से तारा जौहर को साहित्य एवं शिक्षा क्षेत्र, उत्तराखंड से वंदना कटारिया को खेलकूद, राजस्थान से आने वालीं अवनि लेखरा को खेलकूद, गायक सोनू निगम को भी पद्म भूषण से सम्मानित किया गया है। यूपी से शीश राम को भीकला क्षेत्र में यह सम्मान मिला है। जबकि यूपी से ही कृषि क्षेत्र में सेठ पाल सिंह और विद्या विनोद सिंह को साहित्य क्षेत्र में यह सम्मान मिला है।

मैं प्रधानमंत्री मोदी और सीएम योगी की नीतियों से प्रभावित होकर भाजपा में आई - अपर्णा यादव

नई दिल्ली (ईएमएस)। सपा छोड़कर भाजपा में आईं मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव ने कहा है कि मैं राष्ट्रवादी हूं इसलिए बीजेपी में आई हूं, मैं प्रधानमंत्री मोदी और सीएम योगी की नीतियों से प्रभावित थी।

उन्होंने एक समाचार चैनल से कहा, ठलोग मुझे कह रहे हैं कि मैं टिकट के लिए बीजेपी आई हूं। सपा में मेरा टिकट नहीं कट रहा था। मैं बीजेपी में राष्ट्रवाद के लिए आई हूं। मुलायम सिंह यादव मेरे पिता हैं इसलिए उनसे आशीर्वाद लिया। मैं पूरे चुनाव में बीजेपी का प्रचार करूंगी, मैं चुनाव लड़ने के लिए बीजेपी नहीं आई हूं।ठ इससे पहले अपर्णा यादव ने कहा था कि मैंने राष्ट्रवाद के कारण भारतीय जनता पार्टी को चुना है। भारतीय जनता पार्टी ने देश को विकास की राह पर तेजी से बढ़ाने के साथ ही देश में संस्कारों को बनाए रखने का काम किया है। उन्होंने कहा, ठनव भारत के नव निर्माण के इस संकल्प में मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस संकल्प में रंग भरने का काम करूंगी।ठ उन्होंने कहा कि आगे आगे विचार चलते हैं और यही कारण है कि भारतीय जनता पार्टी के विचारों के कारण आज मैं इस पार्टी का हिस्सा हूं।

एनडीए और महागठबंधन दोनों में सीट बंटवारे को लेकर खींचतान

नई दिल्ली (ईएमएस)। बिहार में स्थानीय निकाय कोटे से चौबीस सीटों के लिए होने वाले विधान परिषद (एमएलसी) चुनाव को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और मुख्य विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नीत महागठबंधन में अब तक सीटों के बंटवारे को लेकर अंतिम फैसला नहीं हो सका है। बिहार में राजग के प्रमुख घटक सत्तारूढ़ भाजपा और जदयू में भी सीटों को लेकर खींचतान की स्थिति बनी हुई है। भाजपा 13 सीटों पर चुनाव लड़ने के फैसले पर अड़ी हुई है और वह सीटों के बंटवारे में किसी प्रकार का समझौता करने के मूड में नहीं है। जबकि जदयू 12-12 सीटों पर लड़ने की बातें कह रहा है। वहीं, राजद नीत महागठबंधन में भी सीटों को लेकर अभी तक असमंजस की स्थिति बनी हुई है। भाजपा की ओर से सीटों को लेकर इस बात की पुष्टि तब हुई जब मंगलवार को यहां बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद डा. संजय जायसवाल से घटक विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) को सीट देने के मुद्दे पर सवाल किया गया। उनसे जब पूछा गया कि वीआईपी ने विधान परिषद के चुनाव में चार सीटें देने या फिर पार्टी द्वारा अकेले सभी सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कही गई है तो इस पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के चेहरे पर एक मुस्कान उभर आई। हालांकि उन्होंने इस पर कोई जवाब नहीं दिया लेकिन उनकी मुस्कान यह बता रही थी कि वह वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी की धमकी को कितनी गंभीरता से ले रहे हैं। भाजपा पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि वह घटक दल वीआईपी को कोई सीट नहीं देने जा रही है। उल्लेखनीय है कि कल वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी ने यह घोषणा की थी कि यदि राजग में उन्हें विधान परिषद चुनाव में चार सीटें नहीं मिलती हैं तो वह सभी 24 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेंगे। साथ ही कहा था कि अब वर्षों से कुर्सी पर कुंडली मारकर बैठे लोगों को जगह खाली करनी होगी।

भाजपा का अखिलेश पर हमला, क्या हिंदू विरोधी गुंडो को ही टिकट दिया है?

मुजफ्फरनगर (ईएमएस)। उत्तरप्रदेश में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले सियासत गर्म हो गई है। इसी बीच मेरठ दक्षिण से समाजवादी पार्टी (सपा) उम्मीदवार आदिल चौधरी ने विवादित बयान देकर हिंदुओं से बदला लेने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आई तब इन्हें छोड़ेंगे नही...चुनचुन कर बदला लिया जाएगा। सपा उम्मीदवार का विवादित वीडियो वायरल हो रहा हैइस साझा कर भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधा है।

उन्होंने कहा कि मेरठ दक्षिण से सपा उम्मीदवार आदिल चौधरी ने हिंदुओं को दी धमकी, कहा- हमारी सरकार आई तो छोड़ेंगे नहीं... चुनचुन कर बदला लिया जाएगा। क्या अखिलेश ने नाहिद हसन, आदिल चौधरी जैसे हिंदू विरोधी गुंडो को ही टिकट दिया है?

27 जनवरी को एयर इंडिया का अधिग्रहण कर लेगा टाटा समूह, पीएमओ की नाराजगी के बाद बढ़ी स्पीड

नई दिल्ली (ईएमएस)। एयर इंडिया हफ्ते 27 जनवरी को टाटा समूह को सौंप दी जाएगी। इस मामले से जुड़े लोगों के अनुसार एयर इंडिया के विनिवेश की बाकी बची हुई औपचारिकता अगले कुछ दिनों में पूरी हो जाने की उम्मीद है। एयर इंडिया के स्टाफ को एक मेल करके कंपनी के डायरेक्टर फाइनेंस विनोद हेजमादी ने कहा एयर इंडिया की बैलेंस शीट बंद कर दी गई है, ताकि टाटा इसकी समीक्षा कर सकें। अब अगर कोई बदलाव होगा तो उसे 26 जनवरी को किया जा सकता है।

एयर इंडिया की बोली टाटा समूह ने पिछले साल 8 अक्टूबर को लगाई थी। इसके बाद एयर इंडिया को टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाइल्स प्राइवेट लिमिटेड को बेच दिया गया था। एयर इंडिया-टाटा ग्रुप की यह डील 18,000 करोड़ रुपये में हुई है। सरकार ने एक प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के जरिये पिछले साल आठ अक्टूबर को टाटा संस की एक कंपनी की तरफ से लगाई गई बोली को स्वीकार कर एयर इंडिया के अधिग्रहण को मंजूरी दी।

सरकार के सूत्रों ने बताया एयर इंडिया के विनिवेश में देरी से पीएमओ नाराज है। इसके विनिवेश के बाद सरकार की तरफ से कहा गया था कि एयर इंडिया के अधिग्रहण से जुड़ी औपचारिकताओं को दिसंबर के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा, हालांकि इसमें काफी देरी हो चुकी है। अधिकारियों ने कहा कि इस सौदे को लेकर बाकी औपचारिकता अगले कुछ दिन में पूरी हो जाने की उम्मीद है। टाटा समूह एयर इंडिया सौदे के एवज में सरकार को 2700 करोड़ नगद देगा और एयरलाइंस पर बकाया 15,300 करोड़ के कर्ज की देनदारी अपने ऊपर लेगा। एयर इंडिया के अलग-अलग ग्रुप के कई अधिकारियों को टाटा इथोस और वर्क कल्चर आदि की ट्रेनिंग दी जाएगी। एयर इंडिया के कुछ डिपार्टमेंट के अधिकारी यह ट्रेनिंग लेंगे और उसके बाद वह अपने सहकर्मियों को इस बारे में जानकारी देंगे।

बीजेपी, गांव के गुंडों से प्रधानमंत्री का नाम जोड़ कर उन्हें बदनाम कर रही है- नाना पटोले

- मेरी जगह 'भारतमाता की जय' कह कर देश बेचने वालों का करो विरोध

मुंबई, (ईएमएस)। यह स्पष्ट करने के बाद भी कि हम प्रधानमंत्री मोदी की बात नहीं कर रहे हैं, बल्कि एक गांव के गुंडे की बात कर रहे हैं, राज्य में भाजपा नेता एक गाव गुंडे को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जोड़कर उन्हें बदनाम कर रहे हैं। राज्य में भाजपा के नेता निराश हैं और एक गुंडा और एक प्रधानमंत्री के बीच का अंतर नहीं समझते हैं। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नाना पटोले ने बीजेपी नेताओं पर पलटवार करते हुए यह बात कही है। उन्होंने कहा कि इस तरह की मानसिकता रखने वाले भाजपा नेताओं को इलाज की जरूरत है। इस बारे में बात करते हुए पटोले ने कहा कि मैं एक गांव के गुंडे की बात कर रहा था, वह गुंडा मीडिया के सामने आ गया और खुद ही सब कुछ बता दिया। मैंने मीडिया को भी सिर्फ यह बताया कि उस गुंडे ने क्या कहा है। उन्होंने साफ़ किया कि मैंने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ किसी भी तरह के अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया है। इसलिए मैंने भाजपा नेताओं से कहा है कि वे मेरे खिलाफ आन्दोलन को बंद करें। पटोले ने कहा कि कहा कि भाजपा खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गुंडे से जोड़कर उन्हें बदनाम करने की मुहिम चला रही है। पटोले ने कहा कि अगर भाजपा नेताओं को मेरे पुतले को जलाने से ख़ुशी मिल रही है तो वे जरुर ऐसा करें। लेकिन साथ में भाजपा नेताओं को उनका भी पुतला जलाना चाहिए जो भरता माता की जय कह कर देश को बेचने का काम कर रहे हैं। जो बेटी पढ़ाओ और बेटी पटाओ की मुहिम चलाने के साथ-साथ देश के किसानों को गाड़ी से कुचलने का काम कर रहे हैं।

ईरान को फिर मिला संयुक्त राष्ट्र महासभा में मतदान का अधिकार

जिनेवा (ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने कहा ईरान, गिनी और वानुआतु ने 193 सदस्यीय विश्व निकाय में अपने मतदान के अधिकार को फिर से हासिल करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के नियमित संचालन बजट में पर्याप्त बकाया राशि का भुगतान कर दिया है। अब केवल वेनेजुएला और पापुआ न्यू गिनी के पास ही महासभा में मतदान का अधिकार नहीं है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर में कहा गया है कि जिन सदस्यों का बकाया पिछले दो पूर्ण वर्षों के उनके योगदान की राशि के बराबर या उससे अधिक हो वे मतदान का अधिकार खो देते हैं। महासभा को यह तय करने का अधिकार भी है कि भुगतान न करने की वजह सदस्य देश के नियंत्रण से बाहर तो नहीं थी। ऐसी स्थिति में देश मताधिकार का इस्तेमाल करना जारी रख सकता है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस के महासभा को 12 जनवरी को जारी किए गए एक पत्र के अनुसार, आठ देशों ने अपना मताधिकार खो दिया था।

इनमें से तीन देशों सूडान, एंटीगुआ एवं बारबुडा और कांगो गणराज्य ने पिछले सप्ताह अपनी बकाया राशि का भुगतान कर मताधिकार हासिल कर लिया था। महासभा ने फैसला किया कि सूची में शामिल तीन अफ्रीकी देश कोमोरोस, साओ तोमे एवं प्रिन्सिपी और सोमालिया अपने मतदान के अधिकार का इस्तेमाल कर पाएंगे। गुतारेस के पत्र के अनुसार, मतदान के अधिकार को बहाल करने के लिए आवश्यक न्यूनतम भुगतान ईरान के लिए 18,412,438 डॉलर, वेनेजुएला के लिए 39,850,761 डॉलर और सूडान के लिए 299,044 डॉलर डॉलर था। पांच अन्य देशों में से प्रत्येक को अपने मतदान अधिकारों को बहाल करने के लिए 75,000 डॉलर से कम का भुगतान करना था।

दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने बताया अमेरिकी प्रतिबंधों से मुक्त ईरानी बैंक फंड का उपयोग करते हुए उसने ईरान के 1.8 करोड़ डॉलर से अधिक की बकाया राशि का भुगतान किया है। उसने कहा कि भुगतान 'यूनाइटेड स्टेट्स ट्रेज़री' के साथ परामर्श के बाद किया गया। यह कदम ईरान के साथ 2015 के परमाणु समझौते में अमेरिका के फिर से शामिल होने का एक संभावित संकेत है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2018 में अमेरिका को इस समझौते से बाहर कर लिया था।

कार्टून कोना

अवकाश सूचना

दिनांक 26 जनवरी2022 बुधवार को गणतंत्र दिवस पर जनहितैषी कार्यालय में अवकाश रहेगा । अतः दिनांक 27 जनवरी 2022 गुरूवार को समाचार पत्र प्रकाशित नहीं होगा। दिनांक 28 जनवरी2022 शुक्रवार से समाचार पत्र नियमित प्रकाशित होगा।

- सम्पादक

मायावती दो फरवरी से शुरू करेंगी बसपा का चुनाव प्रचार अभियान, आगरा में होगी पहली जनसभा

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश चुनाव की घोषणा के बाद बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती बसपा के चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत करने वाली हैं। वह दो फरवरी को आगरा से पहली जनसभा को संबोधित करेंगी। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व राज्यसभा सांसद सतीश चन्द्र मिश्र ने बताया कि बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती दो फरवरी को आगरा में कोविड नियमों का पालन करते हुए जनसभा को सम्बोधित करेंगी।

उन्होंने बताया कि जनसभा का समय, स्थान और आगामी जनसभाओं की सूचना मीडिया बंधुओं को शीघ्र उपलब्ध कराई जाएगी। उत्तर प्रदेश की चार बार मुख्यमंत्री रहीं मायावती ने इस बार विधानसभा चुनाव के न तो अभी तक कोई जनसभा की न ही कोई चुनावी रैली। बाकी दल चुनाव तारीखों के ऐलान से पहले ही लगभग सभी क्षेत्रों में अपना चुनाव प्रचार अभियान शुरू कर चुके हैं, लेकिन मायवाती लगातार खामोश रहीं। मायावती की निष्क्रियता को लेकर कई तरह के सवाल उठाए जा रहे थे। हाल ही में कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने भी उन पर कटाक्ष करते हुए था कि मायावती भाजपा के दबाव में प्रचार नहीं कर रही हैं।

यूपी की सियासत में बसपा का अहम किरदार रहा है। मायावती सत्ता में रहें या न रहें, उनकी चर्चा हमेशा होती रहती है। पिछले कई दिनों से उनके सक्रिय न रहने पर विपक्ष ने कटाक्ष करना शुरू कर दिया था। चर्चा इसलिए भी थी क्योंकि भले ही मायावती जनसभा या रैली नहीं कर रहीं थीं, लेकिन हर दूसरे दिन किसी न किसी मुद्दे पर उनका ट्विट जरूर आता था। यूपी विधानसभा चुनाव में बसपा प्रमुख की यह पहली जनसभा होंगी। इससे पहले उन्होंने बीते साल लखनऊ में काशीराम परिनिर्माण दिवस पर कार्यकर्ताओं को सम्बोधित किया था।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता आरपीएन सिंह भारतीय जनता पार्टी में शामिल

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के साथ ही देश में कांग्रेस के बड़े नेता कुंवर आरपीएन सिंह ने मंलगवार को अपनी पार्टी को छोड़कर भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ले ली है। आरपीएन सिंह ने भाजपा में शामिल होने के बाद ट्वीट पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा तथा गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताया है।

भारतीय जनता पार्टी के मुख्यालय नई दिल्ली में आरपीएन सिंह को भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता दिलाई गई। उत्तर प्रदेश विधानसभा सभा चुनाव के प्रभारी केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के साथ सह प्रभारी केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, भाजपा उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व डा. दिनेश शर्मा तथा भाजपा मीडिया प्रकोष्ठ के प्रमुख राज्यसभा सदस्य अनिल बलूनी ने आरपीएन सिंह को भाजपा की सदस्यता दिलाई। उनके साथ कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता के साथ सहारनपुर में 30 वर्ष से कांग्रेस के जिलाध्यक्ष शशि मदान तथा कांग्रेस के प्रदेश सचिव नोएडा से विधानसभा चुनाव लड़े राजेन्द्र अवाना भी भाजपा में शामिल हो गए।

इस अवसर पर आरपीएन सिंह ने कहा कि मैंने काफी लम्बे समय तक कांग्रेस की हर स्तर पर सेवा की, अपना समय दिया। जनता की सेवा करने के लिए जिस पार्टी में करीब 30 वर्ष तक रहा अब वो पार्टी वैसी नहीं रही जैसी पहले थी, इसी कारण उसको छोड़ कर भाजपा में आया हूं। भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद पूर्व केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री आरपीएन सिंह ने कहा कि यह मेरे लिए एक नई शुरुआत है। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और मार्गदर्शन में राष्ट्र निर्माण में अपने योगदान के लिए तत्पर हूं। उन्होंने पीएम मोदी के साथ भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा तथा गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताया है।

उत्तर प्रदेश के साथ ही देश में कांग्रेस के बड़े नेता कुंवर आरपीएन सिंह ने कांग्रेस को छोड़कर भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ले ली है। आरपीएन सिंह ने भाजपा में शामिल होने के बाद ट्वीट पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा तथा गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताया है। भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद पूर्व केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री आरपीएन सिंह ने कहा कि यह मेरे लिए एक नई शुरुआत है। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और मार्गदर्शन में राष्ट्र निर्माण में अपने योगदान के लिए तत्पर हूं। उन्होंने पीएम मोदी के साथ भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा तथा गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताया है।

जन हितैषी

मुख्यमंत्रियों के पर काटने की तैयारी

पिछले वर्षों में केंद्र एवं राज्यों के बीच टकराव बढ़ता ही जा रहा है। केंद्र सरकार के अधीन केंद्रीय एजेंसियों की भूमिका पर लगातार राज्य सरकारों द्वारा विरोध सार्वजनिक रूप से प्रकट किया जा रहा है। जीएसटी, कृषि कानून सहित दर्जनों ऐसे नए केंद्रीय कानून बनाये गए हैं, जो राज्यों की स्वायतता को कम करने अथवा कम करने की ओर इशारा कर रहे हैं। केंद्र एवं राज्यों के बीच अखिल भारतीय सेवा के अधिकारी समन्वय बनाए रखने का काम करते थे। पिछले 70 वर्षों में भारतीय प्रशासनिक सेवा केडर के अधिकारी एवं इनसे जुड़े नियमों के कारण केंद्र एवं राज्यों के बीच अधिकारों को लेकर कोई वैमन्सयता देखने को नहीं मिली थी। केंद्र एवं राज्यों के बीच बेहतर तालमेल बना हुआ था। पिछले 6 वर्षों में इसमें लगातार तल्खी देखने को मिल रही है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की पदस्थापना एवं नियंत्रण को लेकर जो बदलाव प्रस्तावित किए हैं। उसमें भारत की संघीय व्यवस्था को बहुत नुकसान होगा। राज्य सरकारों के लिए तय संवैधानिक अधिकार बढ़ेंगे। राज्य सरकारों के महत्वपूर्ण पदों पर तैनात अधिकारी केन्द्र सरकार के मुख्यमंत्रियों एवं जनता द्वारा चुनी गई राज्य सरकारों के कामकाज में केन्द्र का दखल बढ़ेगा। भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी केंद्र सरकार के इस प्रस्ताव का विरोध कर रहे हैं। किंतु प्रधानमंत्री मोदी की इच्छा के विपरीत विरोध करने का साहस उनमें नहीं है। गैर भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने पुरजोर विरोध करना शुरू कर दिया है। केंद्र सरकार ने इस प्रस्ताव को अमलीजामा पहनाने का कार्य किया तो राज्य सरकारें कानूनी लड़ाई लड़ने की तैयारी शुरू कर दी है। प्रदेश के राजनेताओं का चाहे वह किसी भी पार्टी का हो वह स्वीकार कर रहा है कि केंद्र सरकार का यह प्रस्ताव राज्य सरकारों के अधिकार को कम करेगा। अभी जो हालत दिल्ली की निर्वाचित सरकार की है। यही स्थिति अन्य राज्यों को हो जाएगी। केंद्र सरकार जिस तरह से अधिकारों का केंद्रीकरण कर रही है। उससे लगता है कि केंद्र सरकार सत्ता की सारी ताकत अपने हाथ में रखना चाहती है। आपातकाल के दौरान केंद्र सरकार के पास सत्ता का केंद्रीकरण होने से जो तानाशाही आपातकाल के दौरान देखने को मिली थी। वहीं स्थिति केंद्र सरकार के वर्तमान प्रस्ताव के लागू होने पर देखने को मिलेगी। संस्थागत निकाय, जिनके माध्यम से केंद्र-राज्य संबंधों से सम्बद्ध मुद्दों को विचार विमर्श एवं हल किया जाता है, वे हैं- अंतरराज्यीय परिषद्, राष्ट्रीय एकता परिषद्, राष्ट्रीय विकास परिषद्, योजना आयोग, वित्त आयोग एवं भारतीय रिजर्व बैंक बोर्ड एवं अन्य वित्तीय समस्याएं हैं। हालांकि, विगत परिदृश्य दिखाता है कि न तो इन निकायोंने राज्यों के प्रतिनिधियों के साथ प्रभावी कार्य किया है और न ही इनके निर्णय राज्यों के प्रति निष्पक्ष थे। इनका यह दृष्टिकोण एवं व्यवस्था परिवर्तित करने की आवश्यकता है। कई अन्य राष्ट्रीय एवं अंतर्राज्यीय मुद्दे हैं, जो केंद्र राज्य संबंधों में महत्वपूर्ण हैं। इनमें बड़े सिंचाई कार्यक्रम, बड़ी नदियों का अपरदन, केंद्रीय सार्वजानिक उपक्रमों, रेलवे, राष्ट्रीय राजमार्गों, पत्तनों, हवाई अड्डों इत्यादि में केंद्रीय निवेश जैसे विषय शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक मुद्दे में केंद्र एवं राज्यों के हित शामिल हैं, और यह आवश्यक है की निर्णयों को लेने में अंतरराज्यीय संतुलन सुनिश्चित किया जाए। सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सशक्त करने, गरीबी रेखा से नीचे के लोगों की पहचान करने और अनिवार्य वस्तु अधिनियम का प्रशासन, जो मुद्रास्फीति की कम करने में बेहद प्रासंगिक बन गया है, जैसे मुद्दे भी हैं। राज्यों के लिए राहत कोष में वृद्धि के चलते राष्ट्रीय आपदा राहत कोष की वर्तमान व्यवस्था में परिवर्तन करने की आवश्यकता है। खनिज संसाधनों पर अंतरराज्यीय प्रतिस्पद्र्धा को ध्यान रखते हुए खनिज उत्खनन के संदर्भ में कुछ साझा मूल्य एवं मापदंड निर्धारित करने की आवश्यकता है। कोयले एवं अन्य खनिजों पर रॉयल्टी दरों को बेहद तेजी से संशोधित किए जाते रहना चाहिए और एडवोलोरेम आधार पर अधिभार लगाना चाहिए। बैंकों एवं अन्य वित्तीय संस्थानों द्वारा साख वितरण नीतियों में राज्य सरकारों को भी शामिल किया जाना बेहद महत्वपूर्ण हैं, विशेष रूप से प्राथमिक क्षेत्र कर्ज के उचित आवंटन को सुनिश्चित करने एवं ऋण वितरण के क्षेत्र में अंतरराज्यीय संतुलन बनाए रखने के लिए इन मुद्दों के प्रभावी समाधान के लिए सुस्थापित संस्थागत व्यवस्था की आवश्यकता है जहां नियमित रूप से केंद्र-राज्य एवं अंतरराज्यीय विचार-विमर्श हो सके और निर्णयों तक पहुंचा जा सके।

अपनी हरकतों से नहीं बाज आ रहा उत्तर कोरिया, दो क्रूज मिसाइल का किया परीक्षण

सियोल (ईएमएस)। उत्तरकोरिया ने दो संदिग्ध क्रूज मिसाइल का मंगलवार को परीक्षण किया, जो इस महीने में उत्तर कोरिया का पांचवां हथियार परीक्षण है। दक्षिण कोरिया के सैन्य अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने विभागीय नियमों का हवाला देकर अपना नाम गोपनीय रखे जाने की शर्त पर कहा कि दक्षिण कोरिया और अमेरिका के खुफिया अधिकारी इन प्रक्षेपणों का विश्लेषण कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने विस्तार से जानकारी उपलब्ध नहीं कराई। एक अन्य अधिकारी ने अपनी पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर कहा कि किसी अंदरूनी इलाके से परीक्षण किए गए, लेकिन उन्हें स्पष्ट रूप से नहीं बताया कि ये हमले कहां से किए गए थे। उत्तर कोरिया ने हाल के महीनों में क्षेत्र में कई नई मिसाइलों का परीक्षण किया है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन रियायतें पाने के लिए बातचीत से पहले अपने पड़ोसियों तथा अमेरिका पर मिसाइल प्रक्षेपण और अन्य खतरों के माध्यम से दबाव डालने की कोशिश कर रहे हैं।

दैनिक पंचांग

26 जनवरी 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	07.48 बजे से
चंद्र	तुला में	मीन	09.21 बजे से
मंगल	धनु में	मेष	10.51 बजे से
बुध	मकर में	वृष	12.31 बजे से
गुरु	कुंभ में	मिथुन	14.29 बजे से
शुक्र	धनु में	कर्क	16.43 बजे से
शनि	मकर में	सिंह	18.59 बजे से
राहु	वृष में	कन्या	21.11 बजे से
केतु	वृश्चिक में	तुला	23.22 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		वृश्चिक	01.36 ब.से
		धनु	03.52 बजे से
		मकर	05.58 बजे से

बुधवार 2022 वर्ष का 26 वां दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2078 **शक संवत्** 1943 **मास** माघ (दक्षिण भारत में पौष) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** नवमी 04.35 बजे प्रात: को समाप्त। **नक्षत्र** स्वाती 10.06 बजे को समाप्त। **योग** शूल 06.51 बजे तदनन्तर गण्ड 04.08 बजे प्रात: को समाप्त। **करण** तैतिल 17.34 बजे तदनन्तर गर 04.35 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 23.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 18° 46' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871140 **जूलियन दिन** 2459605.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** जमादि उस्सानी **तारीख** 22 **विशेष** गणतंत्र दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7179

बाएँ से दाएँ

1. कथा, गाथा-3
3. भगौना-3
5. पुष्पहार-2
6. वायदा, कसम-2
8. अभिष्ट इच्छापूर्ति, वर-4
11. योग्य, उपयुक्त-3
13. चिंतन, सोच-विचार-3
14. ताश का एक खेल-2
15. संजय दत्त की पहली फिल्म-2
16. चेहरा, शक्ल-3
18. चाकू, खंजर-3
20. उकसाना, चकमा देना -4
23. लक्ष, सौ हजार-2
25. ईश्वर, भगवान-2
26. विदा, गमन-3
27. लेखनी, पेन-3

ऊपर से नीचे

1. हुनर, फन-2
2. शांति, वीराना-3
3. चिलमन, ओट, घूंघट-3
4. ज्वालामुखी से निकला गर्म पदार्थ-2
5. माजरा, मुद्दा-3
7. आंगन, बरामदा-3
9. भागना (अंग्रेजी-2)
10. चटपटा, क्षारीय-4
12. कारनामा, करिश्मा-4
16. अच्छे सुर का ज्ञाता-3
17. मालिक, स्वामी-2
19. प्रेम प्रतिद्वंदी (उर्दू-3)
21. बेदखल करना-3
22. फिजूल, व्यर्थ-2
24. गधा, गर्दभ -2
25. एक प्रकार की विदेशी शराब-2

शब्द पहेली - 7178 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

समतामूलक समाज का द्योतक है गणतंत्र

आधुनिक स्वतंत्र भारत का राष्ट्रीय पर्व है-गणतंत्र दिवस। भारत में गणतंत्र दिवस की भूमिका बहुत अहम् होती है। इसी दिन संविधान की स्थापना हुई। गणतंत्र दिवस भारतीयों की भावनाओ से जुड़ा हुआ विशेष दिन है। गणतंत्र के 72 वर्ष पूरे हो गए हैं। आजादी के बाद देश को चलाने के लिए संविधान लिखा गया, जिसे लिखने में पूरे 2 साल 11 महीने और 18 दिन लगे। 26 जनवरी 1950 श्र् को सुबह 10:18 मिनट पर भारत का संविधान लागू किया गया था और इसी उपलक्ष्य में हम 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाने लगे। 26 जनवरी 1950 से पहले भारत संवैधानिक तौर पर गणराज्य नहीं बल्कि राजतंत्र ही था। 26 जनवरी 1950 से पहले गर्वनमेंट ऑफ इंडिया एक्ट 1935 के तहत भारत में शासन चलाया जाता था। दिल्ली में 26 जनवरी,1950 को पहली गणतंत्र दिवस परेड,राजपथ पर न होकर इर्विन स्टेडियम(आज का नेशनल स्टेडियम)में हुई थी। वर्ष 1955 श्र् को दिल्ली के राजपथ पर गणतंत्र दिवस की पहली परेड हुई थी। गणतंत्र दिवस के मौके पर राजपथ पर परेड आयोजित की जाती है और इस परेड की सलामी देश के राष्ट्रपति लेते हैं। हर साल 21 तोपों की सलामी दी जाती है। वर्ष 1950 श्र् से हम गणतंत्र दिवस को हर वर्ष ढ़ेर सारे हर्ष और खुशी के साथ मनाते हैं। वर्ष 2022 में 73 वां गणतंत्र दिवस मनाया जा रहा है। आजादी के अमृत महोत्सव के मौके पर 17 जगुआर लड़ाकू विमान 75 के आकार में राजपथ के उपर आसमान में उड़ान भरेंगे। जिसका नजारा अद्भुत होगा। इसके अलावा 73 वां गणतंत्र दिवस के मौके पर 16 मार्चिंग दल, 17 सैन्य बैंड और विभिन्न राज्यों, विभागों और सशस्त्र बलों की 25 झांकियां प्रदर्शित की जाएंगी। झांकी का मुख्य विषय 'आजादी का अमृत महोत्सव' है, जो आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में है। सबसे खास बात है कि इस बार के परेड में दो परमवीर चक्र और एक अशोक चक्र पुरस्कार विजेता भी भाग ले रहे हैं। समारोह में भारतीय सेना की सिख लाइट इन्फेंट्री, राजपूत रेजिमेंट, जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फेंट्री, असम रेजिमेंट, आर्मी ऑर्डिनेंस कॉर्प्स रेजिमेंट और पैराशूट रेजिमेंट कार्यक्रम में अपने करतब दिखाएंगे। गणतंत्र दिवस समारोह में इस बार भी कोई विदेशी मेहमान या राष्ट्राध्यक्ष शामिल नहीं होगा। कोरोना के कारण इस बार भी गणतंत्र दिवस समारोह में किसी विदेशी मेहमानों को आमंत्रित नहीं किया गया। जबकि, गणतंत्र दिवस में विदेशी मेहमान को शामिल करने की शुरू से देश की परंपरा रही है। दो शब्दों से मिलकर बना है गणतंत्र - गण और तंत्र। गण का शाब्दिक अर्थ है दल/समूह/लोक। तंत्र का शाब्दिक अर्थ है डोरा/सूत (रस्सी)। अर्थात ऐसी रस्सी/डोरा,जो लोगों के समूह को जोड़े,लोकतंत्र कहलाता है। अर्थात जनता के द्वारा जनता के लिए।भारत में लोकतंत्र है और राजनेताओं ने लोकतंत्र का आधार, आरक्षण को बना दिया है। भ्रष्ट प्रशासन, शिक्षा से लेकर न्याय तक का राजनैतिककरण होना,लोकतंत्रात्मक प्रणाली का जुगाड़ तंत्रात्मक हो जाना आदि अन्य सामाजिक कुरीतियों ने जन्म ले लिया। 25/08/1949 ई में संविधान सभा में अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति आरक्षण को मात्र 10 वर्ष तक सिमित रखने के प्रस्ताव पर एस. नागप्पा व बी. आई. मुनिस्वामी पिल्लई आदि की आपत्तियां आई। डॉक्टर अम्बेडकर ने कहा मैं नहीं समझता कि हमे इस विषय में किसी परिवर्तन की अनुमति देनी चाहिए। यदि 10 वर्ष में अनुसूचित जातियों की स्थिति नहीं सुधरती तो इसी संरक्षण को प्राप्त करने के लिए उपाए ढूढ़ना उनकी बुद्धि शक्ति से परे न होगा। आरक्षण वादी लोग,डॉ अम्बेडकर की राष्ट्र सर्वोपरिता की क़द्र नहीं करता। समाज एक से अधिक लोगों के समुदायों से मिलकर बने एक वृहद समूह को कहते हैं, जिसमें सभी व्यक्ति मानवीय क्रिया-कलाप करते हैं। मानवीय क्रिया-कलाप में आचरण, सामाजिक सुरक्षा और निर्वाह आदि की क्रियाएं सम्मिलित होती हैं। मनुष्य सामाजिक प्राणी है। मनुष्य सभी प्राणियों में सर्वश्रेष्ठ है। अन्य प्राणियों की मानसिक शक्ति की अपेक्षा मनुष्य की मानसिक शक्ति अत्यधिक विकसित है। समाज रूपी मकान जब न्याय रूपी स्तम्भ पर खड़ा होता है तो ऐसा समाज सौम्यता, समानता और शांति का प्रतीक होता है। न्याय, विश्व में शांति कायम करने का एक महत्वपूर्ण अंग है। न्याय(जस्टिस) की बुनियाद सभी मनुष्यों को समान मानने के आग्रह पर आधारित है। न्याय अर्थात समानता का अधिकार। न्याय ही समाज में फैली तमाम तरह की बुराईयों और गैर-सामाजिक तत्वों पर लगाम लगाने उन्हें सजा देने तथा तमाम नागरिकों के नैतिक और मानवाधिकारों की रक्षा करता हैं। समाज में फैली भेदभाव और असमानता के कारण मानवाधिकारों का हनन लगातार होता रहा। भारत में अशिक्षा,ग़रीबी,बेरोजगारी,महंगाई और आर्थिक असमानता ज्यादा है। इन्हीं भेदभावों के कारण न्याय बेहद विचारणीय विषय हो गया है। डॉ. मार्टिन लूथर किंग जूनियर(15 जनवरी 1929 – 4 अप्रैल 1968)अमेरिका के एक पादरी,आन्दोलनकारी(ऐक्टिविस्ट)एवं अफ़्रीकी-अमेरिकी नागरिक अधिकारों के संघर्ष के प्रमुख नेता थे। उन्हें अमेरिका का गांधी भी कहा जाता है। मार्टिन लूथर किंग ने कहा था कि ठजहां भी अन्याय होता है वहां हमेशा न्याय को खतरा होता है। यह बात केवल वैधानिक न्याय के बारे में ही सही नहीं है क्योंकि एक विवेकपूर्ण समाज से सदैव समावेशी प्रणाली के लिये रंग,नस्ल,वर्ग,जाति जैसी किसी भी प्रकार की सामाजिक बाधा से मुक्त न्याय सुनिश्चित करने की उम्मीद की जाती है ताकि समाज का कोई भी व्यक्ति अपने न्याय के अधिकार से वंचित न हो सके। किसी को भी न्याय से वंचित रखना न केवल सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है,बल्कि संवैधानिक प्रावधानों के भी खिलाफ़ हैं। हिंसा के जरिये जोर जुल्म से बात मनवाना असहिष्णुता है। असहिष्णुता गुंडों के द्वारा की जाती है। असहिष्णुता से दृढ़ संकल्पित रूप से सामना करने की जरुरत है। रक्त से किसकी प्यास बुझती है,क्या आप जानते हैं? पिशाचों व पशुओं की, तुम तो फिर मनुष्य ही हो। असहिष्णुता गुंडाराज को चरितार्थ करती है। बोलने का अधिकार हमारा जन्मजात अधिकार है। यदि बोलना बंद कर दिया गया तो हमारी आवाज़ और हमारे विचार सीमित हो जाएंगे। इसलिए भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(क) के अंदर हमें बोलने की स्वतंत्रता दी गई है। यह हमारा मौलिक अधिकार है। अत: हम इसे लेकर न्यायालय में भी जा सकते हैं। भारतीय संविधान में स्वतंत्रता का अधिकार मूल अधिकारों में सम्मिलित है। इसकी 19,20,21 तथा 22 क्रमांक की धाराएँ नागरिकों को बोलने एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सहित 6 प्रकार की स्वतंत्रता प्रदान करतीं हैं। भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भारतीय संविधान में धारा 19 द्वारा सम्मिलित 6 स्वतंत्रता के अधिकारों में से एक है। 19(क)वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता,19(ख)शांतिपूर्ण और निरायुद्ध सम्मेलन की स्वतंत्रता,19(ग) संगम, संघ या सहकारी समिति बनाने की स्वतंत्रता,19(घ) भारत के राज्य क्षेत्र में सर्वत्र अबाध संचारण की स्वतंत्रता,19(ङ)भारत के राज्यक्षेत्र में सर्वत्र कही भी बस जाने की स्वतंत्रता,19(छ)कोई भी वृत्ति,उप-जीविका,व्यापार या कारोबार की स्वतंत्रता। भारत में जो आपसी सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास करे वह भारतीय कम व आतंकी ज्यादा है। मानवता,सहिष्णुता की जननी है। सच्ची मानवता तब जन्मेगी,जब दुनिया से असहिष्णुता मिटेगी,जब दुनिया में लोगों को जीने की स्वतंत्रता होगी,जब दुनिया से वहशीपन हटेगा,जब उगता सूरज सारे अँधेरे को लील जाएगा, जब शेर की गर्जन से हिरन जान बचाकर नहीं भागेंगे, शेर पर भरोसा होगा तब दुनिया से बुराई का अंधकार छट जाएगा और सही मायने में सहिष्णुता का राज होगा। सहिष्णुता, समता पर आधारित होती है। समता अर्थात जिसमे विषमता का भाव न हो। समता अर्थात जहां शोषण न हो। भेदभाव रहित समाज ही समतामूलक समाज कहलाता है। अतएव हम कह सकते है कि भारतीय गणतंत्र समतामूलक समाज का द्योतक है। (लेखक- डॉ.शंकर सुवन सिंह / ईएमएस)

बदलते भारत की पहचान परिपक्व लोकतंत्र और मजबूत संविधान

कई सारे परिवर्तनों से देश गुजरा है, गुजर भी रहा है। स्वतंत्रता के पहले और बाद की स्थितियाँ-परिस्थितियाँ काफी अलग हैं, बदली हुई हैं तथा निरंतर बदल भी रहीं हैं। सच तो यह है कि नागरिकों में उनके अधिकारों के प्रति चेतना बल्कि कहें जनचेतना का जो भाव दिख रहा है, उसके मूल में कहीं न कहीं स्वतंत्रता और संविधान ही है। एक लोकतांत्रिक गणराज्य होने के चलते हर भारतवासी अपनी स्वतंत्रता को अक्षुण्ण रखने के लिए कटिबध्द है वहीं संविधान के प्रति भी पूरी जिम्मेदारी के साथ भारतवासी होने पर गर्व भी करता है। 1950 में भारत सरकार अधिनियम 1935 को हटाकर भारतीय संविधान लागू किया गया। भारत का स्वतंत्र गणराज्य बनने और देश में कानून का राज स्थापित करने के लिए ही संविधान, 26 नवम्बर 1949 को भारतीय संविधान सभा द्वारा अपनाया गया जिसे 26 जनवरी 1950 को लोकतांत्रिक व्यवस्था के साथ लागू किया गया। निश्चित रूप से दुनिया में हमारी साख के पीछे हमारा मजबूत संविधान और सशक्त दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र ही है जो विश्व में आश्चर्य, विश्वास के साथ स्वीकार्यता की कसौटी पर खरा उतर कर दुनिया में भारत को विश्व गुरू की ओर अग्रसर कर रहा है।

संविधान में सबकी हदें हैं। अगर सरकारें सही काम नहीं करती है तो जनता को 5 साल में उलटने का अधिकार है। यह भी सही है कि न तो सरकार तैश में आए और न ही न्यायालय। क्या परिपक्व लोकतंत्र में, सरकार को आईना दिखाना अपराध है? बिल्कुल नहीं। लेकिन इस पर भी मंथन की जरूरत है क्योंकि मंथन से ही विष और अमृत दोनों निकलते हैं, किसके हिस्से क्या आएगा, यह परिस्थितियों, प्रमाणों और साक्ष्यों पर निर्भर करता है। देश का चौकस मतदाता ख़ामोशी से सब कुछ देख रहा होता है। कई बार निर्णय कौन करेगा जनमत, सरकार या न्यायालय यह उत्सुकता के विषय जरूर होते हैं। यही खासियत हमारे लोकतंत्र को संविधान ने दी है जिसके चलते अलग होकर भी सारे स्तंभ मजबूती से संविधान के सहारे लोकतंत्र की सुदृढ़ता को हमेशा निखारते और खूबसूरत बनाते हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था के असफल होने पर जनता के पास बदलाव का मिला अधिकार भी तो संविधान ने ही दिया है। जहां तक कार्यपालिका, न्यायपालिका विधायिका का प्रश्न है, उनके अधिकार और कर्तव्य संविधान में साफ तौर पर निर्देशित हैं और एक दूसरे को नियंत्रित भी करते हैं।

बीते कुछ अन्तराल में, प्रगति की अवधारणा को लेकर एक जनधारणा सी बनती जा रही है कि सरकारों से बेहतर न्यायालय हैं जो जनहित के मुद्दों पर तुरंत सुनवाई करते हैं। काफी हद तक ऐसा दिखता भी है लेकिन सच नहीं होता। न्यायालयीन संज्ञान में आकर कई बार त्वरित निर्णय होते जरूर हैं लेकिन उन पर भी सवाल उठते हैं। कई बात तो यह भी लगने लगता है कि क्या कार्यपालिका और न्यायपालिका में टकराव जैसा तो कुछ नहीं? अक्सर अदालती फैसले नसीहत से ज्यादा थोपे हुए से भी लगने लगते हैं और कई बार जनसमर्थन जुटाने जैसे भी। लेकिन लोकतंत्र का बड़प्पन देखिए हमेशा न्यायतंत्र को सर्वोपरि माना और कई बार न्यायपालिका के विरोधाभास के बाद भी पर्याप्त सम्मान दिया। सही है कि लिखित संविधान से मिली ताकत से ही लोकतंत्र, कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका की जड़ें मजबूत हुई हैं। लेकिन इसका मतलब यह कतई नहीं कि कोई किसी के अधिकार क्षेत्र का अतिलंघन करे। बस इस पर सभी पक्षों को बिना किसी पूर्वाग्रह के सोचना ही होगा। स्वतंत्रता के बाद दिनों दिन मजबूत और परिपक्व हो रहे लोकतंत्र के प्रति लोगों की बढ़ती समझ से ही दुनिया में भारत का मान बहुत बढ़ा है जिसके पीछे मजबूत लोकतंत्र के पहरुए के रूप में मिला सक्षम नेतृत्व होता है। भारत ने शनै:-शनैः यह मुकाम न केवल हासिल किया बल्कि विश्व मंच पर बेहद मजबूत भी हुआ है। मूल में देखें तो बढ़ती जनजागृति, वह चेतना है जो संविधान से मिली और कहीं न कहीं देश, संविधान, लोकतंत्र और केन्द्र व राज्य सरकारें भी हैं जो वैचारिक और राजनैतिक विरोधाभासों के बावजूद भारत के लिए एक, दूसरे के पूरक थे, हैं और रहेंगे।

यह विचारणीय है कि हम स्वतंत्रता को कितना समझ पाए हैं, आत्मसात कर पाएँ हैं? आखिर क्यों युवाओं में इस पर वो चेतना या जागरूकता नहीं दिखती जो हमारी पुरानी पीढ़ियों में थी? क्या हमारे ज्यादातर रहनुमा इस मामले में स्वार्थी हैं जो चुनाव लड़ने, जीतने और राजनीति तक ही सीमित हैं! कहने को तो हम अमृत महोत्सव मना रहे हैं। लेकिन यह भूल जाते हैं कि उस विष को भी तो गटकना होगा जो संप्रदायवाद, धर्म, जाँत-पाँत की आड़ में देश को कमजोर करता है। हमें गंभीरता से सोचना होगा ताकि लोकतंत्र और स्वतंत्रता की अक्षुणता पर कोई आँख तक न उठा सके। इसके लिए युवाओं को विशेष रूप से जागृत करना होगा जिसे एक मिशन के रूप में लेना ही होगा।

मुझे आज अनायास ही 2016 में 67 वें गणतंत्र की पूर्व संध्या पर तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी का राष्ट्र के नाम दिया संदेश याद आ रहा है जिसमें उन्होंने बहुत ही ओजपूर्ण और प्रेरक शब्दों के साथ 65 फीसदी युवाओं में नई ऊर्जा भरने का काम किया। अपने संदेश का समापन जिन शब्दों में किया उससे बेहतर शायद हो भी नहीं सकता था। उन्होने कहा ''पीढ़ी परिवर्तन हो चुका है, युवा बागडोर संभालने के लिए आगे आ चुके हैं।'' रवीन्द्र नाथ टैगोर की दो पंक्तियों को उध्दृत किया जिसके मायने ''आगे बढ़ो, नगाड़ों के स्वर तुम्हारे विजयी प्रयाण की घोषणा करते हैं, शान के साथ कदमों से अपना पथ बनाएं। देर मत करो एक नया युग आरंभ हो रहा है।'' निश्चित रूप से प्रणव दा के उद्बोधन में बड़ी आस दिखी, दिखे भी क्यों न, तेजी से बदलते इस युग में भारत में भी छिटपुट घटनाओं को छोड़ जो सकारात्मक परिवर्तन दिख रहा है, बस उसे ही आगे बढ़ाने की जरूरत है। ऐसा हुआ तो वो दिन दूर नहीं जब भारत एक बार फिर सोने की चिड़िया तो कहलाएगा ही उससे भी ज्यादा एक मजबूत संविधान, सशक्त लोकतंत्र की समझ वाले नागरिकों का दुनिया का वह सिरमौर भी कहलाएगा जो दुनिया को राह दिखाने के लिए सक्षम है, आतुर है। (लेखक-ऋतुपर्ण दवे / ईएमएस)

आज का इतिहास 26 जनवरी

- 1841 हांगकांग ब्रिटिश कब्जे में चला गया.
- 1885 ब्रिटिश जनरल चार्ल्स गार्डन सूडान में मारे गए.
- 1930 स्वराज दिवस का आयोजन किया गया.
- 1930 स्वतंत्रता के लिए देशभर में लाखों लोगों ने शपथ ली.
- 1934 जर्मनी और पोलैंड के बीच दस वर्षीय अनाक्रमण संधि हुई.
- 1950 भारत लोकतांत्रिक गणराज्य बना और नया संविधान लागू हुआ.
- 1950 आखिरी गर्वनर जनरल सी. राजगोपालाचार्य ने पद छोड़ा तथा संघीय न्यायालय उच्चतम न्यायालय बना.
- 1972 इंडिया गेट पर राष्ट्रीय स्मारक अमर जवान स्थापित किया गया.
- 1981 वायुदूत विमान सेवा की शुरूआत हुई.
- 1990 रोमानिया के उपराष्ट्रपति डी. माजिलू ने इस्तीफा दिया.
- 1991 इराक ने अपने सात विमान ईरान भेज दिए.
- 1992 मारीटानिया में विपक्ष के प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की गोली से अनेक लोग घायल हुए.
- 2000 कोंकण रेलवे परियोजना पूर्ण हुई और प्रथम यात्री गाड़ी चलाई गई
- 2001 गुजरात में भूकंप से हजारों लोग मारे गए और बेघर हो गए.
- 2002 देश के 53 वें गणतंत्र दिवस पर अग्नि-2 मिसाइल आकर्षण का केंद्र रही.सीमा पर हुई गोलीबारी में 12 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए व अनेक बंकर ध्वस्त.
- 2003 इरान के राष्ट्रपति सैयद मोहम्मद खातमी गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल हुए.
- 2005 गणतंत्र दिवस के मौके पर मणिपुर व असम में बम फटे पर कोई हताहत नहीं हुआ.

परमाणु करार पर ईरान के साथ सीधी बातचीत के लिए अमेरिका राजी

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। अमेरिका, परमाणु कार्यक्रम को लेकर ईरान के साथ सीधी बातचीत को राजी है। अमेरिकी विदेश विभाग ने इस बात की पुष्टि उस समय की है, जब ईरान ने कहा है कि संतोषजनक न्यूक्लियर करार को लेकर वह वाशिंगटन के साथ बातचीत पर विचार करेगा। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा हम ईरान के साथ सीधे और तुरंत मिलने के लिए तैयार हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा न्यूक्लियर डील आदि अहम मुद्दों को लेकर हम काफी विचार-विमर्श के बाद इस स्थिति में पहुंचे हैं कि ईरान के साथ सीधे जुड़ना और बातचीत को आगे बढ़ना ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। अधिकारी ने कहा सीधी मुलाकात से अच्छी और सकारात्मक बातचीत हो सकती है। अमेरिका का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब ईरान के विदेश मंत्री की ओर से सोमवार को कहा गया कि वह न्यूक्लियर डील को बहाल करने के उद्देश्य से विएना में चल रही वार्ता के दौरान यूएस के साथ सीधी बातचीत पर विचार करेंगे।

ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीराब्दोल्लहिआन ने कहा कि ईरान मौजूदा समय में सीधे अमेरिका के साथ बात नहीं कर रहा। हालांकि, अगर बातचीत की प्रक्रिया में हम यह पाते हैं कि अच्छे समझौते पर पहुंचने के लिए अमेरिका से सीधी बातचीत से फायदा मिलेगा तो हम इसे नजरअंदाज नहीं कर सकते। दरअसल, 2015 के परमाणु समझौते को लेकर ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, रूस और चीन के राजनयिक विएना में ईरान के साथ बातचीत कर रहे। इसमें ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षा को सीमित करने के बदले उसके साथ व्यापार आदि का प्रस्ताव है।

खेल - समाचार

एशिया कप के सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय महिला हॉकी टीम, सिंगापुर को 9-1 से हराया

मस्कट (ईएमएस)। भारतीय महिला हॉकी टीम सिंगापुर को 9-1 से हराकर एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। भारतीय टीम ने इसी के साथ ही स्पेन और नीदरलैंड में होने वाले 2022 एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप में भी अपनी जगह पक्की कर ली है। अब सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला बुधवार को कोरिया से होगा। भारत ने मस्कट में पूल ए के अपने अंतिम मैच में सिंगापुर पर 9-1 की बड़ी जीत दर्ज की। भारत ने अपने पहले मैच में मलेशिया को भी 9-0 से हराया हालांकि उसे जापान के हाथों 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था। सिंगापुर के साथ हुए मुकाबले में भारत की गुरजीत कौर ने 8, 37, 48वें मिनट में गोल कर हैट्रिक लगायी। इसके अलावा मोनिका ने 6 और 17वें मिंनट में गोल कर भारतीय टीम की बढ़त को बढ़ा दिया। इसके बाद ज्योति ने 43 और 58वें मिनट में गोल किये। वंदना कटारिया और मारियाना कुजुर ने भी भारत की ओर से एक-एक गोल दागा। वहीं सिंगापुर की ओर से एकमात्र गोल ली मिन तोह (43) ने किया। भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर में सिंगापुर के सकर्ल में अटैक किया और पहले 15 मिनट में हावी रही। मोनिका ने मैच के छठे मिनट में पहला गोल किया। इसके कुछ ही समय बाद भारत ने वंदना और गुरजीत के गोलों की बदौलत 3-0 की बढ़त बना ली, जिन्होंने 8वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को सफलतापूर्वक गोल में बदला।

अगले मिनट में भारतीय टीम ने मैच का अपना दूसरा पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया। हालांकि सिंगापुर के गोलकीपर यू टोंग लियू ने इसे बचा लिया। चौथा गोल युवा फारवर्ड मारियाना ने 10वें मिनट में किया। दूसरे क्वार्टर की शुरुआत भी इसी तरह से हुई। भारत ने सिंगापुर दूसरे क्वार्टर के दूसरे मिनट में ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। मैच की लय सेट करने वाली अनुभवी मोनिका ने भारत का पांचवां और मैच में अपना दूसरा गोल किया। ड्रैग फ्लिक विशेषज्ञ गुरजीत ने मैच के 37वें मिनट में एक गोल किया। सिंगापुर ने तीसरे क्वार्टर के 43वें मिनट में पेनल्टी कार्नर हासिल किया और ली मिन तोह के प्रयास से पहला गोल किया। इसके बाद भारत की ज्योति ने भी गोल दागा। उन्होंने तीसरे क्वार्टर के अंत में स्कोर को 7-1 पहुंचा दिया जो अंत तक बना रहा।

टी20 में 400 विकेट लेने गेंदबाजों के क्लब में आये शाकिब

मीरपुर (ईएमएस)। बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन शाकिब अल हसन ने बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) में एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। फार्च्युन बारिशल के कप्तान शाकिब ने मिनिस्टर ग्रुप ढाका के खिलाफ मैच में कप्तान महमुदुल्लाह का विकेट लेते ही टी20 में अपने 400 विकेट पूरे किए। उन्होंने मैच में 3.3 ओवर में 21 रन देकर एक विकेट लिया पर इसके बाद भी उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा। शाकिब के कुल टी20 रिकॉर्ड को देखें तो उन्होंने 347 पारियों में 21 की औसत से 400 विकेट लिए हैं। 6 रन देकर 6 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। 10 बार 4 और 3 बार 5 विकेट लिए हैं। इसके अलावा उन्होंने 323 पारियों में 20 की औसत से 5610 रन भी बनाए हैं। जिसमें 19 अर्धशतक भी शामिल हैं। उन्होंने 94 टी20 अंतरराष्ट्रीय में 117 विकेट लिए हैं। इसके अलावा 9 अर्धशतक के साथ 1894 रन भी बनाए हैं. यह गेंदबाज 59 टेस्ट में 215 और 215 वनडे में 277 विकेट भी ले चुका है।

टी20 में वेस्टइंडीज के दिग्गज तेज गेंदबाज ड्वेन ब्रावो 555 विकेट के साथ शीर्ष पर हैं हालांकि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है पर वह टी20 लीग में खेलते रहेंगे। दक्षिण अफ्रीका के लेग स्पिनर इमरान ताहिर (435) दूसरे, वेस्टइंडीज के ऑफ स्पिनर सुनील नरेन (425) तीसरे और अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान (420) चौथे नंबर पर हैं।

सातवीं बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे नडाल

मेलबर्न (ईएमएस)। स्पेन के टेनिस स्टार रफेल नडाल सातवीं बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। नडाल ने क्वार्टर फाइनल में डेनिस शापोवालोव को 6-3, 6-4, 4-6, 3-6, 6-3 से हराकर अंतिम चार में जगह बनायी। अपना रिकॉर्ड 21वां ग्रैंडस्लैम पुरूष एकल खिताब जीतने के करीब आये नडाल और शापोवालोव का मुकाबला बेहद लंबा रहा और यह करीब चार घंटे तक चला। नडाल, रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच के नाम अभी तक 20 पुरूष एकल खिताब हैं। फेडरर और जोकोविच इस बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन में नहीं हैं। ऐसे में नडाल के पास रिकॉर्ड 21वां ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने का अच्छा अवसर है।

नडाल क्वार्टर फाइनल के पहले दो सेट में हावी रहे हालांकि तीसरे और चौथे सेट में उनकी लय कुछ कमजोर पड़ी पर निर्णायक सेट जीतकर उन्होंने अंतिम चार में प्रवेश किया। नडाल यहां सिर्फ एक बार 2009 में खिताब जीत सके हैं और पिछले 13 में से सात क्वार्टर फाइनल हारे हैं। अब सेमीफाइनल शुक्रवार को होगा इस प्राकर उनके पास दो दिन का समय है। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला सातवीं वरीयता प्राप्त मात्तेओ बेरेत्तिनी या 17वीं रैंकिंग वाले गाएल मोंफिल्स से होगा।

वहीं महिला वर्ग में मेडिसन कीस ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में फ्रेंच ओपन चैम्पियन बारबोरा क्रेसिकोवा को 6-3, 6-2 से हराकर लगातार दसवीं जीत दर्ज की। अब उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त ऐश बार्टी और जेसिका पेगुला के होने वाले मुकाबले की विजेता खिलाड़ी से होगा।

सानिया ऑस्ट्रेलियाई ओपन के मिश्रित युगल से भी बाहर

मेलबर्न (ईएमएस)। भारत की महिला टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा और उनके जोड़ीदार अमरीका के राजीव राम ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस के मिश्रित युगल मुकाबले के क्वार्टर फाइनल में हार के साथ ही बाहर हुए। सानिया और उनके जोड़ीदार राजीव को वाइल्ड कार्डधारी ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी जैमी फोरलिस और जैसन कुबलेर ने 6-4, 7-6 से हराया। सानिया की हार के साथ ही इस टूर्नामेंट में भारत की अंतिम उम्मीद भी टूट गयी। सानिया को इससे पहले युगल मुकाबलों में भी हार का सामना करना पड़ा था। अन्य भारतीय खिलाड़ी इस टूर्नामेंट से पहले ही बाहर हो गये थे। सानिया ने हाल ही में घोषणा की है कि इस सत्र के बाद वह टेनिस को अलविदा कह देंगी। इस खिलाड़ी ने अपने करियर में अब तक छह ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं जिनमें तीन मिश्रित युगल खिताब भी शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया ओपन में उन्होंने दो ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं। उन्होंने साल 2009 में महेश भूपति के साथ मिश्रित युगल और 2016 में स्विटजरलैंड की मार्तिना हिंगिस के साथ महिला युगल खिताब भी शामिल हैं। यह उनका अंतिम ग्रैंडस्लैम खिताब था।

कैमरून में फुटबॉल मैच में भगदड़ से 8 लोगों की मौत

नई दिल्ली (ईएमएस)। कैमरून में अफ्रीका कप ऑफ नेशंस के दौरान एक फुटबॉल स्टेडियम के बाहर हुई हिंसा में आठ लोगों की मौत हो गई जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। यहां राजधानी याउन्डे के ओलेम्बे स्टेडियम में मेजबान देश कोमोरोस का मुकाबला देखने के लिए आये लोगों के दक्षिणी द्वार से प्रवेश के कारण भीड़ से भगदड़ मच गई और कई लोगों की दबकर मौत हो गयी इस स्टेडियम की क्षमता 60,000 है पर कोरोनावायरस के खतरे को देखते हुए सीमित संख्या में ही दर्शकों को प्रवेश दिया जा रहा था। 80 फीसदी दर्शकों को ही स्टेडियम में प्रवेश की अनुमति थी। वहां करीब 50 हजार दर्शकों ने स्टेडियम में घुसने का प्रयास किया जिसके बाद भीड़ बेकाबू हो गयी।

शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार अभी तक आठ लोगों की मौत हुई है। वहीं कई अन्य घायल हैं। पीड़ितों को तत्काल अस्पताल ले जाया गया।

यह घटना तब घटी जब कैमरून की राजधानी में बने ओलेम्बे स्टेडियम में अफ्रीका कप ऑफ नेशंस का मुकाबला खेला जा रहा था। 24 जनवरी 2022 को अंतिम-16 राउंड का ये मुकाबला कैमरून और कोमोरोस के बीच चल रहा था। इस मुकाबले को देखने के लिए फुटबॉल प्रशंसकों ने सभी नियम तोड़ दिये। अफ्रीका कप ऑफ नेशंस आयोजन समिति के प्रवक्ता एबेल म्बेंगु ने इस घटना पर दुख व्यक्त किया है।

पाक के पूर्व टेस्ट क्रिकेटर आफताब नहीं रहे

कराची (ईएमएस)। पाकिस्तान के पूर्व टेस्ट क्रिकेटर आफताब बलोच का सोमवार को निधन हो गया। आफताब 68 वर्ष के थे और साल 1973-74 में बलोचिस्तान के खिलाफ 428 रन की अपनी पारी के लिए जाने जाते हैं। सिंध ने तब अपनी पारी में सात विकेट पर 951 रन बनाये थे। बलोच ने पाक की ओर से दो टेस्ट मैच भी खेले हैं। उन्होंने 1969 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 16 साल की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करते हुए 25 रन बनाए थे। उन्होंने अपना दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच इसके छह साल बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था। इस मैच में उन्होंने 12 और नाबाद 60 रन बनाए थे। इसके बाद उन्हें पाक टीम में शामिल नहीं किया गया।

शेयर बाजार तेजी साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुंबई शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन पिछले पांच कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट रुकी और बीएसई सेंसेक्स ऊपर आया। बाजार में यह बढ़त मारुति, एक्सिस बैंक और भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों में आई तेजी के साथ ही यूरोपीय बाजारों से मिले अच्छे संकेतों से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 366.64 अंक करीब 0.64 फीसदी बढ़कर 57,858.15 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 128.85 अंक तकरीबन 0.75 फीसदी ऊपर आकर 17,277.95 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सबसे ज्यादा करीब सात फीसदी की बढ़त मारुति के शेयरों में रही। इसके अलावा, एक्सिस बैंक, एसबीआई, इंडसइंड बैंक, भारती एयरटेल और एनटीपीसी के शेयर भी ऊपर आये। वहीं दूसरी ओर विप्रो, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी लि. और आरआईएल के शेयर गिरे हैं।

बैंकों के शेयर भागे

निफ्टी ने भी 2.05 फीसदी की बढ़त हासिल की है। ये 759.20 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 37706.80 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 के शीर्ष 5 कंपनियों में एक्सिस बैंक, एसबीआई और इंडसइंड बैंक के शेयर रहे। वहीं इंडेक्सेज की बात करें तो पीएसयू बैंक्स में 4 फीसदी से भी ज्यादा तेजी आई। इसके बाद ऑटो क्षेत्र में 2 फीसदी से अधिक तेजी रही। वहीं आईटी इंडेक्स लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुआ। निफ्टी 50 में सबसे ज्यादा नुकसान विप्रो, बजाज फिनसर्व, टाइटन कंपनी, इंफोसिस और टेक महिंद्रा के शेयरों में हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत हुई। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में खुलते ही 900 अंक से अधिक की गिरावट आई है। यह गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही विप्रो, आरआईएल और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में गिरावट से आई है। बाजार जानकारों के अनुसार विदेशी निवेशकों की बिकवाली और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के मौद्रिक नीति को सख्त करने की खबर से भी घरेलू बाजार नीचे आया है।

पत्रकार के सवाल पर अपना आपा खो बैठे राष्ट्रपति जो बाइडन, जमकर किया अपशब्दों का इस्तेमाल

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन मीडिया के साथ अपने अच्छे संबंधों के लिए जाने जाते हैं, वह ट्रंप के ठीक विपरीत माने जाते हैं, जो प्रेस कान्फ्रेंस में अक्सर पत्रकारों से उलझ जाते थे। सोमवार को हुई एक प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान बाइडन भी, अपने स्वभाव के विपरीत, अपना आपा खो बैठे। उन्होंने फोटो सेशन के दौरान माइक पर पत्रकार के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल किया।

प्रेस कॉफ्रेंस के बाद जब सभी पत्रकार हॉल से बाहर जा रहे थे तब एक रिपोर्टर ने बाइडन से पूछा कि क्या मुद्रास्फीति एक राजनीतिक दायित्व है? उन्होंने तंज कसते हुए रिपोर्टर को जवाब दिया, 'यह एक महान संपत्ति है। इसके बाद उन्होंने बुदबुदाते हुए पत्रकार पीटर डूसी के लिए 'अपशब्दों' का इस्तेमाल किया जो माइक पर साफ-साफ सुनाई दिया। दावा किया जा रहा है कि बाइडन इस बात से अनजान थे कि उनका माइक उस समय भी ऑन था।

उस समय हॉल में मौजूद एक रिपोर्टर ने कहा शोर के चलते वह स्पष्ट नहीं सुन पाए कि बाइडन ने क्या कहा। उन्होंने कहा कि अगर आप यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि बाइडन ने पीटर डूसी को क्या जवाब दिया तो आप प्रेस कान्फ्रेंस का वीडियो देख सकते हैं। डूसी ने बाद में एक इंटरव्यू के दौरान अपने अपमान की जानकारी दी। उन्होंने कहा किसी ने भी अभी तक इस घटना की जांच नहीं की है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रेस के साथ अपने खराब व्यवहार के लिए जाने जाते थे।

भारी बर्फ़बारी की वजह से इस्तांबुल हवाई अड्डा बंद, मध्य एशिया में बड़े पैमाने पर गुल हुई बिजली

ईस्तांबुल (ईएमएस)। दक्षिण-पूर्वी यूरोप में ठंड का कहर अपने चरम पर जा पहुंचा है। जनवरी की रिकार्ड-तोड़ ठंड की वजह से जन-जीवन पूरी तरह से ठप हो गया है। भारी बर्फबारी की वजह से यूरोप के सबसे व्यस्त एयरपोर्ट में से एक इस्तांबुल एयरपोर्ट को बंद करना पड़ा है। भारी बर्फबारी की वजह से एथेंस में स्कूल और टीकाकरण केंद्र भी बंद हो गए हैं। भीषण ठंड का कारण पूर्वी भूमध्यसागर का एक बर्फीला तूफान है, जिसके चलते ब्लैकआउट की नौबत आ गई है। इसका असर यातायात पर भी पड़ा है। एक कार्गो टर्मिनल की छत भारी बर्फ के कारण नीचे गिर गई, हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। लेकिन इसके कारण इस्तांबुल हवाई अड्डे को बंद करना पड़ा।

इस हवाई अड्डे से मध्य पूर्व और अफ्रीका से यूरोप और एशिया तक उड़ानें भरी जाती हैं। हवाई अड्डे ने एक बयान में कहा प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण हवाई सुरक्षा के लिए सभी उड़ानें अस्थायी रूप से रोक दी गई हैं। वहीं, कज़ाकिस्तान किर्गिस्तान और उज्बेकिस्तान में बड़े पैमाने पर बिजली गुल हो गई है। मध्य एशियाई देशों में बिजली कटौती कज़ाकिस्तान में ट्रांजिट लाइन पर ओवरलोडिंग के कारण हुई है। यात्रा अधिकारियों ने बताया कि 2019 में इस्तांबुल के पुराने अतातुर्क हवाई अड्डे को तुर्की एयरलाइंस के लिए नए केंद्र के रूप में बदलने के बाद से पहली बार बंद किया गया है। सर्दियों की पहली बर्फ ने इस्तांबुल के लोगों में एक रोमांचक माहौल बना दिया है। यहां की प्राचीन मस्जिदों के चौराहों पर मजेदार माहौल बनाया गया है, जहां बच्चों ने बर्फबारी में खूब मौज मस्ती की और स्नोमैन बनाए वहीं अन्य पर्यटकों ने स्नोफाल का मजा लेते हुए सेल्फी ली।

तुर्की के सबसे बड़े शहर के 1.6 करोड़ निवासियों के लिए भीषण ठंड और बर्फबारी सिरदर्द बन गई है। बर्फ गिरने की वजह से यहां घरों के बाहर खड़ी कारें एक-दूसरे में सटी हुई हैं, राजमार्ग बर्फ के कारण पार्किंग स्थल में बदल गए हैं। इस्तांबुल के गवर्नर के कार्यालय ने बर्फबारी के प्रकोप को देखते हुए ड्राइवरों को चेतावनी दी कि वे शहर में प्रवेश नहीं कर पाएंगे। यह स्थिति तुर्की के यूरोपीय हिस्से में बुल्गारिया और ग्रीस के साथ इसकी पश्चिमी सीमा तक फैली हुई है। बर्फबारी ने सब कुछ ठप कर दिया है। शापिंग माल बंद हो गए हैं, साथ ही खाद्य वितरण सेवाएं भी बंद हो गईं। बर्फ से ढके रास्तों से आवाजाही रुक गई है जिसके कारण शहर के प्रतिष्ठित 'सीमिट' बैगेल स्टाल खाली हो गए।

एल्युमीनियम कबाड़ पर सीमा शुल्क बढ़ाकर 10 प्रतिशत करने की मांग

नई दिल्ली (ईएमएस)। एल्युमीनियम उद्योग ने मोदी सरकार से एल्युमीनियम कबाड़ पर सीमा शुल्क बढ़ाकर 10 प्रतिशत करने की मांग की है। भारतीय एल्युमीनियम संघ (एएआई) ने कहा कि पर्याप्त घरेलू एल्युमीनियम कबाड़ उत्पन्न करने की क्षमता होने के बावजूद भारत में कबाड़ की खपत लगभग पूरी तरह से आयात पर निर्भर है। प्राथमिक एल्युमीनियम पर वर्तमान में 7.5 फीसदी, डाउनस्ट्रीम एल्युमीनियम पर 7.5 से 10 प्रतिशत और एल्युमीनियम स्क्रैप या कबाड़ पर सिर्फ 2.5 प्रतिशत सीमा शुल्क है। संगठन ने कहा,इसकारण है कि प्राथमिक एल्युमीनियम क्षमता की महत्वपूर्ण उपस्थिति और पर्याप्त घरेलू कबाड़ उत्पन्न करने की क्षमता होने के बावजूद देश में एल्युमीनियम कबाड़ की खपत 100 प्रतिशत आयात पर निर्भर है।इसकारण एल्युमीनियम कबाड़ पर सीमा शुल्क को 2.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत कर देना चाहिए।'' एल्युमीनियम और एल्युमीनियम कबाड़ पर मूल सीमा शुल्क अन्य अलौह धातुओं जैसे जस्ता, सीसा, निकेल और टिन के अनुरूप नहीं है। यह घरेलू एल्युमीनियम उत्पादकों के लिए एक बड़ा नुकसान है। उद्योग को इसके अलावा मूल सीमा शुल्क दर या अधिकतम सीमा शुल्क दर मौजूदा 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने की उम्मीद है। उद्योग के अनुसार, एल्युमीनियम कबाड़ के बढ़ते आयात से प्राथमिक एल्युमीनियम उद्योग को गंभीर खतरे का सामना करना पड़ रहा है। कुल आयात में एल्युमीनियम कबाड़ की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2015-16 में 52 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2020-22 में 66 प्रतिशत हो गई। इसके कारण 15,000 करोड़ रुपये के बराबर की विदेशी मुद्रा का नुकसान हुआ है।

हूती विद्रोहियों ने ली अबू धाबी पर मिसाइलें दागने की जिम्मेदारी, विदेशी कंपनियों-निवेशकों से यूएई छोड़ने को कहा

दुबई (ईएमएस)। यमन के हूती विद्रोहियों ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की राजधानी अबू धाबी पर मिसाइलें दागने की जिम्मेदारी लेते हुए विदेशी कंपनियों और निवेशकों से यूएई छोड़ने को कहा है। हूती विद्रोही समूह द्वारा दागी गईं दो बैलिस्टिक मिसाइलों को यूएई और अमेरिकी सेना ने सोमवार सुबह बीच में ही रोक कर नष्ट कर दिया था। अबू धाबी को निशाना बनाकर किया गया इस तरह का एक हफ्ते में दूसरा हमला था।

सोमवार के हमले के बाद यूएई के लड़ाकू विमानों ने उस लॉन्चर को भी नष्ट कर दिया, जहां से ये मिसाइलें दागी गई थीं। हमले ने फारस की खाड़ी में तनाव बढ़ा दिया है। इस तरह के हमले यूएई के आसपास तो होते थे, लेकिन मुल्क में कभी नहीं हुए। यमन में सालों से चल रही जंग और वैश्विक शक्तियों के साथ ईरान का परमाणु समझौता नाकाम होने के बाद यह हमला हुआ है।

राजधानी अबू धाबी के अल-ज़फरा वायु सेना केंद्र पर मौजूद दो हजार अमेरिकी सैनिकों को हमले के दौरान बंकरों में पनाह लेनी पड़ी और पैट्रियट मिसाइलें दागनी पड़ीं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो में दिख रहा है कि सोमवार तड़के अबू धाबी के आसमान में बिजली चमकती है और धमाके की आवाज़ आती है। दरअसल यह 'इंटरसेप्टर मिसाइलों द्वारा बीच में ही बैलिस्टिक मिसाइलों को रोककर नष्ट करने की आवाज़ थी। यमन में हूती सेना के प्रवक्ता याहिया सरई ने टीवी पर प्रसारित एक बयान में हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि बागियों ने ज़ुल्फिकार बैलिस्टिक मिसाइल तथा ड्रोन से हमला किया है, जिसमें एयर बेस भी शामिल है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक यमनी लोगों पर हमले जारी रहते हैं तब तक यूएई को निशाना बनाया जाता रहेगा। सरई ने कहा हम विदेशी कंपनियों और निवेशकों को आगाह कर रहे हैं कि वे यूएई छोड़ दें। यह एक असुरक्षित देश बन गया है।

यूएई के रक्षा मंत्रालय ने कहा यूएई किसी भी तरह के खतरे से निपटने के लिए तैयार है और देश को सभी तरह के हमलों से बचाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। अमेरिकी केंद्रीय कमान के प्रवक्ता और नौसेना के कैप्टन बिल अर्बन ने एक बयान में माना कि अमेरिकी पैट्रियट मिसाइलों ने हूती की मिसाइलों को अबू धाबी पर हमला करने से रोका। सोशल मीडिया पर दिख रहे वीडियो से पता चलता है कि मिसाइल वायुसेना केंद्र से दागी गईं थीं। उन्होंने कहा संयुक्त प्रयासों से दोनों मिसाइलों को केंद्र को प्रभावित करने से रोक दिया गया। मिसाइल हमले की वजह से अबू धाबी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हवाई यातायात करीब घंटे भर तक प्रभावित रहा है। हमले के बाद दुबई आर्थिक बाजार करीब दो फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। अबू धाबी प्रतिभूति विनिमय में भी मामूली गिरावट आई।

अबू धाबी में अमेरिकी दूतावास ने अपने नागरिकों के लिए एक परामर्श जारी कर कहा कि उन्हें सुरक्षा को लेकर काफी सतर्क रहने की जरूरत है। व्हाइट हाउस के मुताबिक अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने यूएई और सऊदी अरब के राजदूतों से मुलाकात की और हूतियों की ओर से हाल में किए गए हमलों की चर्चा की। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने ट्विटर पर एक वीडियो भी साझा की जिसमें एक एफ-16 लड़ाकू विमान यमन स्थित बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्चर को नष्ट करता दिखाई देता है।

राष्ट्रपति को बंधक बना बुर्किना फासो पर जुंटा सेना का नियंत्रण

-सरकारी टीवी पर विद्रोही सैनिकों ने की घोषणा, नेशनल असेंबली भंग

औगाडोउगोउ (ईएमएस)। सरकारी टेलीविजन पर 10 से अधिक विद्रोही सैनिकों ने घोषणा की कि बुर्किना फासो पर अब जुंटा सेना का नियंत्रण है। इससे पहले बुर्किना फासो के राष्ट्रपति रोच मार्क क्रिश्चियन काबोरे को बागी सैनिकों ने बंधक बना लिया था। यह पिछले 18 महीने में तीसरा पश्चिमी अफ्रीकी देश है, जहां इस्लामी चरमपंथ से सरकार के निपटने के तौर-तरीकों को लेकर सेना ने तख्तापलट किया है। कैप्टन सिदसोरे कबेर औएद्राओगो ने कहा कि सुरक्षा एवं बहाली के इस देशभक्ति आंदोलन ने अपनी जिम्मेदारी निभाने का फैसला किया है।

गहराते इस्लामी विद्रोह और संकट से निपटने में राष्ट्रपति की अक्षमता की वजह से बिगड़ती सुरक्षा स्थिति के कारण सैनिक काबोरे के राष्ट्रपति कार्यकाल को समाप्त कर रहे हैं। अभी तत्काल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि राष्ट्रपति रोच मार्क क्रिश्चियन काबोरे कहां हैं। जुंटा के प्रवक्ता ने कहा कि केवल तख्तापलट किया गया है, गिरफ्तार किए गए लोगों को किसी प्रकार की कोई चोट नहीं पहुंचाई गई, उन सभी को सम्मान के साथ सुरक्षित स्थान पर रखा गया है। नाम उजागर ना करने की शर्त पर विद्रोह में शामिल एक सैनिक ने बताया कि काबोरे ने अपना इस्तीफा सौंप दिया है। नए सैन्य शासन ने कहा कि उसने बुर्किना फासो के संविधान और 'नेशनल असेंबली' को भंग कर दिया है। देश की सीमाएं भी बंद हैं और रात नौ बजे से सुबह पांच बजे तक कर्फ्यू रहेगा। औएद्राओगो ने विस्तृत जानकारी दिए बिना बताया कि देश के नए नेता चुनाव कराने के लिए एक ऐसा समय का निर्धारण करेंगे, जो ''सभी को स्वीकार्य हो।'' सरकारी प्रसारणकर्ता 'आरटीबी' पर पढ़ी गई इस विज्ञप्ति पर देश के नए सैन्य नेता लेफ्टिनेंट कर्नल पॉल हेनरी सैंडाओगो दामिबा के हस्ताक्षर थे। वह घोषणा के दौरान कैमरे के सामने आए बिना प्रवक्ता के पास बैठ थे। उल्लेखनीय है कि बुर्किना फासो के राष्ट्रपति रोच मार्क क्रिश्चियन काबोरे के आवास के पास रविवार देर रात गोलियों की आवाज सुनी गईं थी। इससे पहले विद्रोही सैनिकों ने दिन में एक सैन्य अड्डे पर कब्जा कर लिया था। काबोरे के राजनीतिक दल ने एक बयान में विद्रोही सैनिकों पर राष्ट्रपति और एक अन्य सरकारी मंत्री की हत्या करने की कोशिश का आरोप लगाते हुए कहा था कि औगाडोउगोउ में राष्ट्रपति आवास ''भारी हथियारों से लैस लोगों'' से घिरा हुआ है। काबोरे, वर्ष 2015 से ही राष्ट्रपति हैं और नवंबर 2020 में एक बार फिर वह राष्ट्रपति चुने गए थे। वह तभी से विरोध का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कुछ समय पहले देश के प्रधानमंत्री को बर्खास्त कर दिया था और मंत्रिमंडल के ज्यादातर सदस्यों को बदल दिया था। कभी शांतिपूर्ण रहे इस पश्चिमी अफ्रीकी देश में हिंसा की घटनाएं बढ़ती जा रही है, क्योंकि अलकायदा और इस्लामिक स्टेट समूह के हमले यहां बढ़ रहे हैं। हाल के वर्षों में हजारों लोग मारे गये हैं और करीब 15 लाख लोग विस्थापित हुए हैं।

टीपीसीआई ने खाद्य तथा पेय उद्योग को बढ़ावा देने के लिए आम बजट को लेकर सुझाव दिए

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय निर्यात संवर्धन परिषद (टीपीसीआई) ने खाद्य तथा पेय उद्योग को बढ़ावा देने के मकसद से मोदी सरकार को बजट में देश में बने उत्पादों के प्रचार-प्रसार और विपणन जैसी गतिविधियों के साथ आधुनिक अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाएं स्थापित करने के लिये प्रोत्साहन की घोषणा करने का सुझाव दिया।

परिषद ने साथ ही एसईजेड (विशेष आर्थिक क्षेत्र) इकाइयों को कच्चे माल के शुल्क मुक्त आयात की अनुमति देने का भी सुझाव दिया है। टीपीसीआई ने उद्योग के लिए इनपुट टैक्स क्रेडिट की भी मांग की। इसके अलावा खाद्य क्षेत्र में परीक्षण के लिए सब्सिडी, खाद्य और पेय पदार्थ तकनीकी मशीनरी विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए कोष और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझौले उद्यम) के लिए ब्याज सहायता योजना की मांग की है।

भारतीय निर्यात संवर्धन परिषद के अतिरिक्त महानिदेशक ने कहा, अर्थव्यवस्था के लिहाज से कृषि और खाद्य क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं। कठिन समय के बावजूद कृषि एवं खाद्य क्षेत्र ने लगातार 20 प्रतिशत से अधिक की मजबूत वृद्धि दर्ज की हैउन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष में कृषि एवं खाद्य क्षेत्र का निर्यात 40 अरब डॉलर पर पहुंच सकता है। कोडेक्स मानक आधारित अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाएं स्थापित करने के लिये पूंजी समर्थन से क्षेत्र को मदद मिलेगी। वर्ष 1963 में स्थापित, कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमीशन (सीएसी) स्वास्थ्य की रक्षा के लिये संयुक्त खाद्य मानक कार्यक्रम की रूपरेखा के अंतर्गत संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा संयुक्त रूप से स्थापित एक अंतर सरकारी निकाय है। इस पहल का मकसद उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य का संरक्षण और खाद्य व्यापार में निष्पक्ष गतिविधियों को सुनिश्चित करना है।

सेबी ने ईएसजी रेटिंग एजेंसियों के नियमन के लिए रूपरेखा प्रस्ताव पेश किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। बाजार नियामक सेबी ने पर्यावरण, सामाजिक एवं कामकाज के संचालन (ईएसजी) से संबंधित रेटिंग देने वाली फर्मों के नियमन के लिए सोमवार को एक प्रारूप प्रस्ताव पेश किया। सेबी ने अपने परामर्श पत्र में कहा कि 10 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य वाली क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां एवं विश्लेषक फर्में ही ईएसजी रेटिंग सेवा प्रदाता (ईआरपी) के तौर पर स्वीकार्य मानी जाएंगी।

किसी भी सूचीबद्ध कंपनी को ईएसजी मानकों पर अपनी रेटिंग हासिल करने के लिए सिर्फ मान्यताप्राप्त ईआरपी से ही सेवा लेनी जरूरी होगी। इसके अलावा सेबी ने यह भी कहा है कि ईएसजी रेटिंग प्रदाताओं को कंपनी के संबंधित क्षेत्र का भी उल्लेख करना चाहिए। मसलन, कार्बन जोखिम रेटिंग का उल्लेख ईएसजी रेटिंग के तौर पर नहीं किया जाना चाहिए। परामर्श पत्र के मुताबिक, ईआरपी को कम-से-कम एक रेटिंग उत्पाद की पेशकश जरूर करनी चाहिए। हितधारकों के बीच किसी भी तरह के संदेह से बचने के लिए यह प्रस्ताव भी रखा गया है कि ईआरपी को हमेशा ही उचित शब्दावली का प्रयोग करना चाहिए।

2030 तक लगभग 18 गीगावॉट पनबिजली क्षमता बढ़ाने की जरूरत

नई दिल्ली (ईएमएस)। रेटिंग एजेंसी का मानना है कि देश में पनबिजली खरीद दायित्व (एचपीओ) मानदंडों को पूरा करने के लिए 2030 तक लगभग 18 गीगावॉट पनबिजली क्षमता बढ़ाने की जरूरत होगी। केंद्र सरकार ने एचपीओ मानदंडों की अधिसूचना के द्वारा पनबिजली खंड में निवेश को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत उपाए किए हैं। पनबिजली खरीद दायित्व मानदंडों और 2030 तक उपलब्ध होने वाली बिजली के आधार पर तब तक पनबिजली क्षमता में करीब 18 गीगावॉट की बढ़ोतरी करने की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि इस तरह 2030 तक देश की स्थापित पनबिजली क्षमता में करीब 39 प्रतिशत की वृद्धि करनी होगी। उन्होंने कहा कि एसईआरसी (राज्य बिजली नियामक आयोग) ने सिर्फ कुछ राज्यों में एचपीओ मानदंडों को अधिसूचित किया है। कदम ने कहा कि अन्य राज्यों में भी इस दिशा में तेजी से कदम उठाने की जरूरत है।

राजनयिक संबंधों के 30 साल पूरे होने पर इस साल भारत आ सकते हैं इजराइली पीएम नफ्ताली बेनेट

येरुशलम (ईएमएस)। इजरायल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट इस साल भारत के दौरे पर आ सकते हैं। इस साल दोनों देशों के राजनयिक संबंधों के 30 साल पूरे हुए हैं। इस अवसर पर भारत और इजरायल ने वर्चुअली एक लोगो भी जारी किया है। भारत में इजरायल के राजदूत नाओर गिलोन ने पीएम बेनेट के भारत दौरे की पुष्टि भी की है।

उनके साथ इजरायली अधिकारियों का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल भी भारत आएगा। नफ्ताली बेनेट को भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पिछले साल भारत आने का न्योता दिया था। नफ्ताली बेनेट के भारत दौरे से दोनों देशों के रिश्तों के और ज्यादा मजबूत होने की उम्मीद है। राजनयिक संबंध के 30 वर्ष पूरे होने के मौके पर भारत और इजरायल ने पूरे साल जश्न मनाने का ऐलान किया है।

इसी जश्न को गति देने के लिए दोनों देशों के राजनयिकों ने एक विशेष लोगो जारी किया है। इस लोगो को जारी करने के लिए आयोजित वेबिनार में गिलोन ने कहा कि वह भारत में राजदूत बनकर खुद को सौभाग्यशाली महसूस कर रहे हैं। गिलोन ने दो प्राचीन सभ्यताओं के बीच संबंध को असाधारण और नियमों से परे बताया। गिलोन ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने को लेकर इजरायल के प्रधानमंत्री और अन्य अधिकारी इस वर्ष भारत यात्रा पर आ सकते हैं।

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पिछले वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से इजरायली प्रधानमंत्री बेनेट को भारत आने का न्योता दिया था। गिलोन ने कहा यह हमारी पारस्परिक सफलताओं पर विचार करने और आगामी 30 वर्ष के आपसी संबंधों को निर्धारित करने के लिहाज से यह एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में संबंध आने वाले वर्षों में और मजबूत होंगे।

गिलोन ने इस लोगो को तेल अवीव में तैनात भारतीय राजदूत संजीव सिंगला के साथ वर्चुअल जारी किया। इस लोगो में डेविड स्टार और अशोक चक्र शामिल है, ये दोनों प्रतीक दोनों देशों के ध्वज में भी शामिल हैं। लोगो में 30 का अंक भी है, जो राजनयिक संबंधों के 30 वर्ष पूरे होने को दर्शाता है।

सिंगला ने अपने संबोधन में कहा वर्ष 2022 द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी के पांच वर्ष का भी प्रतीक है, जो 2017 में प्रधानमंत्री मोदी की ऐतिहासिक इजरायल यात्रा के दौरान स्थापित की गई थी।

भारतीय राजदूत ने बताया कि कैसे नवानगर के महाराजा जाम साहिब ने न केवल कई यहूदी बच्चों की जान बचाई, बल्कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान उन्हें आश्रय प्रदान किया। महाराजा ने जब तक वे रहना चाहे तब तक उनकी देखभाल की और संरक्षण प्रदान किया। दोनों देशो के बीच राजनयिक संबंधों की 30वीं वर्षगांठ से जुड़ा लोगो बनाने के लिए इजरायल और भारत के प्रमुख डिजाइन कॉलेजों के छात्रों के लिए एक प्रतियोगिता शुरू की गई थी। एनआईटी के निखिल कुमार राय के डिजाइन को सर्वसम्मति से समारोह के लिए स्मारक लोगो के रूप में चुना गया। वाराणसी निवासी निखिल एनआईटी अहमदाबाद में अंतिम वर्ष के छात्र हैं और उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के दृश्य कला संकाय में भी अध्ययन किया है।

कोरोना अभी खत्म होने वाला नहीं, नए वेरिएंट्स का खतरा बरकरार

- डब्ल्युएचओ चीफ टेड्रोस अदनोम घेब्रेयियस की चेतावनी

जिनेवा (ईएमएस)। विश्व स्वास्थ्य संगठन के चीफ टेड्रोस अदनोम घेब्रेयियस ने कोरोना वायरस महामारी के खत्म होने को लेकर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि कोरोना के नए वेरिएंट्स के आने की आदर्श स्थिति लगातार बनी हुई है। उन्होंने कहा कि यह मानना खतरनाक है कि ओमीक्रोन कोरोना का आखिरी वेरिएंट है और हम महामारी के आखिरी दौर में हैं। उन्होंने दुनियाभर के बड़े देशों को सुझाव देते हुए कहा कि अगर हम अहम लक्ष्यों को हासिल कर लेते हैं तो इससे महामारी का घातक दौर इस साल खत्म हो सकता है।

डब्लूएचओ चीफ घेब्रेयियस ने उपलब्धियों का बखान किया। उन्होंने तंबाकू के इस्तेमाल, एंटी बैक्टीरियल इलाज के खिलाफ प्रतिरोध की लड़ाई, जलवायु परिवर्तन के मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले असर जैसी वैश्विक चिंताओं पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि महामारी के घातक चरण को खत्म करना हमारी सामूहिक प्राथमिकता होनी चाहिए। घेब्रेयियस ने डब्ल्यूएचओ की कार्यकारी बोर्ड की बैठक की शुरुआत में कहा कि महामारी कैसा रूप धारण करेगी और कैसे विकट चरण को खत्म किया जाए इसको लेकर अलग-अलग परिदृश्य हैं। यह मानना खतरनाक होगा कि ओमीक्रोन, वायरस का आखिरी स्वरूप होगा या महामारी खत्म होने को है। उन्होंने कहा कि इसके विपरीत, वैश्विक स्तर पर वायरस के और स्वरूप आने के लिए आदर्श अवस्था मौजूद है।'' उन्होंने जोर देकर कहा कि हम कोविड-19 महामारी को दिए गए वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल के दर्जे को खत्म कर सकते हैं और यह हम इसी साल कर सकते हैं। यह डब्ल्यूएचओ के लक्ष्यों को, जैसे प्रत्येक देश में साल के मध्य तक 70 प्रतिशत आबादी का टीकाकरण, कोविड-19 से अधिक खतरे वाले लोगों पर ध्यान केंद्रित कर, जांच में सुधार कर और वायरस और उसके स्वरूप पर नजर रखने के लिए आनुवंशिकी अनुक्रमण की दर बढ़ाने को प्राप्त करके किया जा सकता है।

महामारी के व्यवधानों से काफी हद तक उबर चुकी है भारतीय अर्थव्यवस्था : पनगढ़िया

नयी दिल्ली (ईएमएस)। नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया ने मंगलवार को कहा भारतीय अर्थव्यवस्था महामारी के चलते पैदा हुए व्यवधानों से 'काफी हद तक' उबर चुकी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सुधार का यह क्रम फिलहाल जारी रहेगा तथा 7-8 प्रतिशत की वृद्धि दर फिर बहाल हो जाएगी। पनगढ़िया ने सुझाव दिया कि सरकार को अब वित्त वर्ष 2022-23 में राजकोषीय घाटे को आधा से एक प्रतिशत तक कम करने का संकेत देना चाहिए।

जानेमाने अर्थशास्त्री ने बताया कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने कोविड से पहले के जीडीपी के स्तर पर लौटने के लिए काफी हद तक सुधार किया है सिर्फ निजी खपत अभी भी अपने कोविड-19 से पहले के स्तर से नीचे है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अनुमान के मुताबिक भारती की जीडीपी वृद्धि दर 2021-22 में 9.2 प्रतिशत रहेगी। पनगढ़िया ने कहा यह आंकड़ा किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक है और पुनरुद्धार पूरे देश में हुआ है। भारतीय अर्थव्यवस्था में पिछले वित्त वर्ष के दौरान 7.3 प्रतिशत की गिरावट हुई थी।

पनगढ़िया ने कहा कि टीकाकरण के चलते महामारी काबू में आने से पुनरुद्धार जारी रहेगा और 7-8 प्रतिशत वृद्धि का दौर वापस आ जाएगा। पनगढ़िया, जो इस समय कोलंबिया विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर हैं, ने कहा सरकार को अब राजकोषीय घाटे को कम करने पर जोर देना चाहिए, क्योंकि ऐसा नहीं करने पर अगली पीढ़ी के लिए एक बड़ा कर्ज का बोझ तैयार हो जाएगा।

नियमों का पालन नहीं करने पर आरबीआई ने 8 सहकारी बैंकों पर लगाया जुर्माना

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की तरफ से आठ सहकारी बैंकों पर नियामकीय अनुपालन में कमियों के लिए जुर्माना लगाया गया है। केंद्रीय बैंक ने बताया कि एसोसिएट को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, सूरत (गुजरात) पर निदेशकों, रिश्तेदारों एवं फर्मों-संस्थाओं को ऋण और अग्रिम और अपने ग्राहक को जानो (केवाईसी) पर मास्टर निर्देशों का अनुपालन नहीं करने के लिए चार लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

आरबीआई ने कहा कि जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता कोष योजना, 2014 के कुछ मानदंडों के उल्लंघन के लिए वराछा सहकारी बैंक लिमिटेड, सूरत पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। मोगवीरा को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, मुंबई पर केवाईसी मानदंडों से संबंधित कुछ निर्देशों का पालन नहीं करने के लिए दो लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। वसई जनता सहकारी बैंक, पालघर पर भी दो लाख रुपये का मौद्रिक जुर्माना लगाया गया है।

इसके अलावा, आरबीआई ने राजकोट पीपल्स को-ऑपरेटिव बैंक, राजकोट पर 'निदेशकों, रिश्तेदारों और फर्मों/संस्थाओं, जिनमें वे रुचि रखते हैं, को ऋण और अग्रिम' के निर्देशों के उल्लंघन के लिए एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। भद्राद्री को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक पर आरबीआई पर दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

कुछ मानदंडों के उल्लंघन के लिए जम्मू सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, जम्मू और जोधपुर नागरिक सहकारी बैंक, जोधपुर पर प्रत्येक पर एक लाख का जुर्माना लगाया गया है। हालांकि, आरबीआई ने कहा कि जुर्माना नियामकीय अनुपालन में कमियों पर आधारित है और यह बैंकों द्वारा अपने संबंधित ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता पर सवाल नहीं खड़ा करता है।

इमरान के निमंत्रण पर पाकिस्तान जाएंगे पुतिन, भारत के साथ संबंधों पर पड़ेगा असर

इस्लामाबाद (ईएमएस)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जल्द ही पाकिस्तान का दौरा कर सकते हैं। दोनों देशों के बीच पुतिन की पाकिस्तान यात्रा को लेकर बातचीत की जा रही है। प्रधानमंत्री इमरान खान पहले ही औचारिक रूप से राष्ट्रपति पुतिन को आने का न्योता दे चुके हैं। उन्होंने हाल में पुतिन से फोन पर हुई बातचीत के दौरान भी दोबारा पाकिस्तान आने का न्योता दिया था। बताया जाता है कि पुतिन की यात्रा को लेकर बातचीत अंतिम दौर में है। यह पहला मौका होगा जब व्लादिमीर पुतिन पाकिस्तान की यात्रा करेंगे। इससे पहले, पिछले साल रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने पाकिस्तान की यात्रा की थी। पाकिस्तान और रूस के बीच बढ़ती नजदीकियों का सबसे बड़ा असर भारत पर देखने को मिल सकता है। भारत के विरोध के बावजूद रूस और पाकिस्तान हर साल सैन्य अभ्यास भी करते हैं। रूसी राष्ट्रपति पुतिन की पाकिस्तान यात्रा को लेकर पिछले दो साल से दोनों देशों के बीच बातचीत हो रही है, लेकिन कोरोना सहित कई दूसरे कारणों से ठोस नतीजा नहीं निकला।

खबर के मुताबिक, रूस चाहता है कि पुतिन की पाकिस्तान यात्रा के दौरान किसी बड़ी परियोजनाया या दूसरी कोई पहल होनी चाहिए, जिसका ऐलान किया जा सके। कूटनीतिक सूत्रों ने बताया कि पुतिन तभी यात्रा करना चाहते हैं जब उनके पास बेचने को कुछ बड़ा हो। माना जा रहा है कि पुतिन इस्लामाबाद में पाकिस्तान-रूस गैस पाइपलाइन समझौते का ऐलान कर सकते हैं। हाल के दिनों में इस समझौते को लेकर दोनों देशों के अधिकारियों ने कई राउंड की बैठकें भी की हैं। पाकिस्तान चाहता है कि राष्ट्रपति पुतिन अरबों डॉलर की गैस पाइप लाइन परियोजना का शिलन्यास करें। ऐसे में इसका काम इसी साल शुरू किया जा सकता है। इसके अलावा रूसी कंपनियां सिंध प्रांत के कराची से पंजाब प्रांत के कसूर तक पाइपलाइन बिछाने का काम करें।

गौरतलब है कि रूस-पाकिस्तान गैस पाइपलाइन समझौता 2015में किया गया था, लेकिन रूसी कंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंध और कई दूसरे मुद्दों के कारण 1122 किलोमीटर लंबी पाइप लाइन बिछाने का काम शुरू नहीं हो सका था। अगर यह पाइपलाइन बिछ जाती है तो पाकिस्तान को रूस से सीधे तेल और गैस की सप्लाई शुरू हो जाएगी। इससे ऊर्जा जरूरतों के लिए पाकिस्तान की निर्भरता खाड़ी देशों से कम हो सकती है। इसी साल 6 अप्रैल को रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव 19 घंटे की भारत यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे थे। तब रूस ने बताया था कि इस यात्रा का उद्देश्य वार्षिक भारत-रूस सम्मेलन के लिए तैयारियों को अंतिम रूप देना है। भारत यात्रा के बाद रूसी विदेश मंत्री पाकिस्तान भी गए। भारत के साथ संबंधों को लेकर रूस शुरू से ही पाकिस्तान से किनारा करता रहा है। लेकिन, 2009 के बाद भारत और अमेरिका के बीच घनिष्ठ संबंधों के बनने से बेचैन रूस ने पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों को मजबूत करना शुरू कर दिया है। यही कारण है कि भारत के विरोध के बावजूद रूसी सेना ने पाकिस्तान के साथ संयुक्त युद्धाभ्यास किया।

रूसी विदेश मंत्री ने तब ऐलान किया था कि उनका देश पाकिस्तान को विशेष सैन्य हथियार मुहैया कराएगा। शीत युद्ध काल के इन दो विरोधियों के बीच आतंकवाद से लड़ने में सहयोग बढ़ाने और संयुक्त नौसैन्य एवं भूमि अभ्यास करने पर सहमति भी बनी। रूस ने हालांकि यह नहीं बताया था कि वह पाकिस्तान को कौन सा हथियार देगा। जाहिर है कि रूस की इसी बात से भारत चिंतित था। अफगानिस्तान में बिगड़ते हालात और एशिया में बनते जियो-पॉलिटिकल एनवायरमेंट को देखकर रूस और पाकिस्तान करीब आ रहे हैं। सितंबर में ही रूस के उप रक्षा मंत्री जनरल अलेक्जेंद्र वी फोमिन ने पाकिस्तान के अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय सैन्य संबंधों को बढ़ाने के लिए बातचीत की थी।

सितंबर से लेकर अबतक पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कम से कम तीन बार बात भी कर चुके हैं। सितंबर में पाकिस्तानी सेना ने रूसी सेना के साथ द्रुजबा-2021 नाम का संयुक्त अभ्यास भी किया था। रूस और पाकिस्तान दोनों देशों के बीच संयुक्त अभ्यास को बढ़ाने, खुफिया जानकारी साझा करना और क्षेत्रीय सुरक्षा पर विचारों का आदान-प्रदान करने पर सहमत हुए हैं। अगर रूस से पाकिस्तान को खुफिया जानकारी मिलनी शुरू होती है तो यह भारत के लिए चिंता बढ़ाने वाली बात होगी। इतना ही नहीं, द्विपक्षीय युद्धाभ्यास करने से पाकिस्तान को रूस के उन हथियारों के बारे में ज्यादा जानकारी मिल सकती है, जिसका इस्तेमाल भारत करता है। पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा खतरा भारत से है, ऐसे में वह रूस को अपने पाले में कर खुद की ताकत बढ़ाने की कोशिश कर सकता है।

इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने के लिए सब्सिडी और कर छूट बेहद महत्वपूर्ण

मुंबई (ईएमएस)।दोपाहिया विनिर्माता एथर एनर्जी ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने के लिए 'फेम टू'नीति के तहत सब्सिडी और कर छूट बेहद महत्वपूर्ण हैं। कंपनी, जो दो स्कूटर -एथर450 एक्स और एथर 450 प्लस-का विपणन करती है,ने पीएलआई योजना के तहत इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) स्टार्टअप को शामिल करने की भी मांग की। एथर एनर्जी के सह-संस्थापक और सीईओ तरुण मेहता ने कहा, इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में वृद्धि जारी है, क्योंकि उपभोक्ताओं को 'फेम टू सब्सिडी और कर छूट द्वारा दिए लाभों से फायदा मिलता है। उपभोक्ता की मांग को बनाए रखने और इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने के लिए, हमें उम्मीद है कि 'फेम टू' सब्सिडी वर्ष 2023 से आगे भी जारी रहेगी। मेहता ने कहा कि वर्ष 2021 में, सरकार ने देश की विनिर्माण क्षमता को बढ़ाने के लिए पीएलआई योजना सहित कई पहल शुरू कीं।

अधिकारी ने कहा, हालांकि, इलेक्ट्रिक वाहन परिवेश में स्टार्टअप कंपनियों की अधिकता है, और वे सामने आकर ईवी क्रांति का नेतृत्व कर रही हैं, लेकिन उसमें अधिकांश पीएलआई योजना के लिए आयोग्य हैं। उन्होंने कहा कि योजना को अधिक समावेशी बनाने की आवश्यकता है,क्योंकि इससे स्टार्टअप उद्योग के लिए नए अधिक अवसर खोलने में मदद मिलेगी, ताकि इस क्षेत्र में विकास और नवाचार को बढ़ावा मिले। उन्होंने कहा कि तेजी से ईवी अपनाने के लिए चार्जिंग बुनियादी ढांचे का देश में विकास करना जरूरी है।सभी मौजूदा और आगामी आवास परियोजनाओं और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में अनिवार्य रूप से ईवी चार्जिंग बुनियादी ढांचे की स्थापना सुनिश्चित करने पर जोर दिया जाना चाहिए है। मेहता ने कहा, ''इसके अलावा, मौजूदा आवासीय क्षेत्रों, आवास परिसरों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापना को प्रोत्साहित करने से बुनियादी ढांचे की स्थापना में काफी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रगतिशील नीतियों की पेशकश के साथ ही उनके तेज कार्यान्वयन से देश में इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने में मदद मिलेगी। महीने की शुरुआत में हीरो मोटोकॉर्प ने एथर एनर्जी में 420 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करने की घोषणा की थी।

गुजरातियों के कल्याण और स्वास्थ्य के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरतः राज्यपाल

- राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने गणतंत्र दिवस पर गुजरात के नागरिकों को शुभकामनाएं दी

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने राष्ट्र के 73वें गणतंत्र दिवस पर राज्य के तमाम नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गुजरात सरकार गुजरातियों के कल्याण और स्वास्थ्य के लिए निरंतर प्रयासरत है। जनता के नाम सन्देश देते हुए राज्यपाल ने कहा कि कोरोना जैसे संकटकाल में भी गुजरात अडिग रहा है और विकास की गति को अविरत रखा है, जो हम सबके लिए गर्व की बात है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ- सबका विकास, सबका प्रयास- सबका विश्वास' ध्येयमंत्र के साथ राज्य तेजी से प्रगति के सोपान हासिल कर रहा है। भारत ने कोरोना के कठिनकाल में सौ करोड़ से ज्यादा नागरिकों का टीकाकरण करके इतिहास रच दिया है। इसका उल्लेख करते हुए उन्होंने कोरोना टीकाकरण में गुजरात द्वारा किए गए कामकाज की प्रशंसा की। आचार्य देवव्रत ने कहा कि भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर अपने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'आजादी का अमृत महोत्सव' का विचार दिया और इस महोत्सव में सहभागी होकर प्रत्येक भारतीय गर्व की अनुभूति कर रहा है। राज्यपाल ने प्राकृतिक कृषि को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से गुजरात द्वारा उठाए गए कदमों की सिलसिलेवार जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज गुजरात में दो लाख से ज्यादा किसान प्राकृतिक कृषि के साथ जुड़ गए हैं, जो प्रसन्नता और आनन्द का विषय है। उन्होंने राज्य में नारी गौरव और महिला सशक्तिकरण की दिशा में गुजरात सरकार किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर राज्यपाल ने राज्य में गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित विशेष ग्रामसभाओं का उल्लेख किया और कहा कि ग्रामसभाओं के माध्यम से जल जीवन मिशन, स्वच्छता, कोविड टीकाकरण जागरूकता और वतन प्रेम योजना के बारे में जनजागृति का महत्वपूर्ण कार्य हुआ है। गुजरात में नागरिकों को गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध करवाने के लिए सरकार ने दो करोड़ से ज्यादा लाभार्थियों को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और मुख्यमंत्री अमृतम योजना में समाविष्ट करने की जानकारी देते हुए कहा कि 'प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना' के अंतर्गत 2 लाख से ज्यादा गर्भवती और धात्री माताओं तथा उनके बालकों के स्वास्थ्य के लिए पोषक तत्वों से भरपूर आहार और स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाई गई हैं। राज्यपाल ने अपने सन्देश में गुजरात सरकार द्वारा आदिवासी इलाकों में स्वास्थ्य के क्षेत्र में हुए विशेष कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में 167 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में 17 जितने लेबोरेटरी टेस्ट होते थे, जिनको बढ़ाकर अब 33 किया गया है। राज्य के दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं सुदृढ़ बनाने के लिए 250 मोबाइल क्लिनिक वैन जनसेवा में कार्यरत की गई हैं। राज्यपाल ने नागरिकों को राज्य के विकास में अविरत सहयोग और समर्थन देने की बात भी कही।

गणतंत्र दिवस के राज्यस्तरीय समारोह में उपस्थित नहीं रहेंगे राज्यपाल आचार्य देवव्रत

अहमदाबाद (ईएमएस) 26 जनवरी को गिर सोमनाथ में होनेवाले 73वें गणतंत्र दिवस के राज्यस्तरीय समारोह में आचार्य देवव्रत उपस्थित नहीं रहेंगे। राज्यपाल आचार्य देवव्रत की जगह मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल 26 जनवरी को गिर सोमनाथ में ध्वजारोहण करेंगे। आमतौर पर 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर राज्यपाल ध्वजारोहण करते हैं, परंतु राज्यपाल होम कोरन्टाइन हैं। हांलाकि राजभवन की ओर से राज्यपाल के संक्रमित होने के बारे में कोई स्पष्टता नहीं की गई हैं। दूसरी ओर 73वें गणतंत्र दिवस को लेकर गिर सोमनाथ में तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। 18 प्लाटून मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल को सलामी देंगे। सुरक्षा विभाग की विभिन्न द्वारा 18 प्लाटून बनाकर भव्य परेड का आयोजन किया गया हैं। ध्वजारोहण के बाद मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल खुली जीप में परेड का निरीक्षण करेंगे। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल गिर सोमनाथ में गणतंत्र दिवस के राज्यस्तरीय समारोह में शामिल होंगे। वहीं राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य और कलेक्टर विभिन्न जिलों में ध्वजारोहण करेंगे। राज्य के कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र त्रिवेदी आणंद में, जीतु वाघाणी राजकोट में, ऋषिकेश पटेल अहमदाबाद में, पूर्णेश मोदी बनासकांठा में, राघवजी पटेल पोरबंदर, कनुभाई देसाई सूरत, किरीटसिंह राणा भावनगर में, नरेश पटेल वलसाड में, प्रदीप परमार वडोदरा में और पंचमहल में अर्जुनसिंह चौहाण ध्वजारोहण करेंगे। राज्य मंत्रियों में हर्ष संघवी गांधीनगर में, जगदीश पंचाल मेहसाणा में, ब्रिजेश मेरजा जामनगर में, जीतु चौधरी नवसारी में, मनीषा वकील खेडा में, मुकेश पटे तापी में, निमिषा सुथार छोटाउदेपुर, अरविंद रैयाणी जूनागढ़ में, डॉ. कुबेर डिंडोर साबरकांठा में गजेन्द्रसिंह परमार भरुच में, आरसी मकवाणा अमरेली में, विनोद मोरडिया बोटाद में और देवा मालम सुरेन्द्रनगर में होनेवाले गणतंत्र दिवस समारोह राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। इसके अलावा राज्य के दाहोद, नर्मदा, महीसागर, डांग, पाटण, देवभूमि द्वारका और अरवल्ली में संबंधित जिलों के कलेक्टर ध्वजारोहण करेंगे।

गुजरात में कोरोना के 16608 नए मरीज, 28 लोगों की मौत, 17467 मरीज हुए ठीक

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कोरोना के दैनिक मामलों में आंशिक कमी जरूर हुई है, लेकिन इस रोग से मौत का आंकड़ा बढ़ रहा हैं। पिछले 24 घंटों में राज्य में कोरोना 28 मरीजों को निगल गया हैं। 16608 नए केसों के मुकाबले राज्य में 17467 लोग ठीक होकर अपने घर लौट गए। राज्य में कोरोना से स्वस्थ होने का दर 86.77 प्रतिशत हैं। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक मंगलवार को राज्य में सबसे अधिक 5303 कोरोना पॉजिटिव केस अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में दर्ज हुए हैं। वडोदरा कॉर्पोरेशन में 3041, राजकोट कॉर्पोरेशन में 1376, सूरत कॉर्पोरेशन में 1004, वडोदरा में 761, सूरत में 472, जामनगर कॉर्पोरेशन में 357, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 309, भावनगर कॉर्पोरेशन में 293, मेहसाणा में 277, भरुच में 273, राजकोट में 273, मोरबी में 254, कच्छ में 244, वलसाड में 238, पाटन में 196, बनासकांठा में 172, गांधीनगर में 171, साबरकांठा में 159, आणंद में 156, नवसारी में 154, अमरेली में 151, खेडा में 136, सुरेन्द्रनगर में 124, पंचमहल में 98, जामनगर में 89, अहमदाबाद में 83, जूनागढ़ में 83, तापी में 77, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 66, दाहोद में 41, गिर सोमनाथ में 38, पोरबंदर में 27, भावनगर में 22, देवभूमि द्वारका में 22, छोटाउदेपुर में 20, महीसागर में 16, नर्मदा में 13, डांग में 10 और अरवल्ली में 9 समेत राज्यभर में 24 घंटों में 16608 कोरोना के नए मामले सामने आए हैं। मंगलवार को अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में सबसे अधिक 10 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। वहीं सूरत कॉर्पोरेशन में 3, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 2, सूरत कॉर्पोरेशन में 2, जामनगर कॉर्पोरेशन में 2, जामनगर में 2, मेहसाणा में 1, नवसारी में 1, खेडा में 1, पंचमहल में 1, भावनगर में 1, देवभूमि द्वारका में 1 और बोटाद में 1 समेत राज्य में 28 मरीजों की पिछले 24 घंटों में मौत हुई हैं। राज्य में कोरोना अब तक 10302 लोगों को निगल चुका हैं। पिछले 24 घंटों में 17467 लोगों के डिस्चार्ज होने के साथ राज्य में अब तक 948405 कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं। फिलहाल राज्य में कोरोना के 134261 एक्टिव मामलों में 134006 स्टेबल हैं और 255 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। मंगलवार को राज्य में 243811 लोगों का टीकाकरण किया गया। इसके अंतर्गत 30 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंटलाइन वर्कर को पहला और 485 को दूसरा टीका लगाया गया। 45 वर्ष से अधिक आयु के 6007 को पहला और 24891 को कोरोना का दूसरा डोज दिया गया। 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के 29683 को पहली और 70579 को कोविड की दूसरी वैक्सीन लगाई गई। 15 से 18 वर्षीय 46626 किशोरों को कोरोना का पहला टीका लगाया गया। वहीं 65510 नागरिकों को प्रिकॉशन डोज दिया गया।

कोरोना संक्रमित होने के बाद कांग्रेस विधायक अनिल जोशियारा की तबियत बिगड़ी

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरातभर में कोरोना ने हाहाकार मचा रखा हैं। भाजपा और कांग्रेस के कई दिग्गज नेता इसकी चपेट में आ चुके हैं। भिलोडा से कांग्रेस विधायक अनिल जोशियारा भी कोरोना की चपेट में आ गई हैं। अनिल जोशियारा की अचानक तबियत बिगड़ने पर उन्हें अहमदाबाद के सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं। जहां जोशियारा को वेन्टीलेटर पर रखा गया हैं। सिम्स अस्पताल के डॉक्टरों की निगरानी में जोशियारा पिछले तीन दिनों से वेन्टीलेटर पर हैं। डॉक्टरों के मुताबिक अनिल जोशियारा को एकाद सप्ताह तक ऑब्जर्वेशन में रखा जाएगा। गौरतलब है कि राज्य में भाजपा और कांग्रेस के कई विधायक कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। बीते दिन धारी से भाजपा विधायक जेवी काकडिया कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद होम आइसोलेट हो गए थे। इससे पहले कृषि मंत्री राघवजी पटेल, राजस्व मंत्री राजेन्द्र त्रिवेदी, सांसद पूनम माडम, सांसद भरतसिंह डाभी, मंत्री जीतु चौधरी, विधायक अक्षय पटेल, शैलेष मेहता, अजमलजी ठाकोर के अलावा कांग्रेस विधायक हिम्मतसिंह पटेल, विक्रम माडम और प्रताप दूधात भी कोरोना संक्रमित हो चुके हैं।

पिता की पढ़ाई पर ध्यान ध्यान देने की हिदायत से नाराज बेटे ने आत्महत्या कर ली

अहमदाबाद (ईएमएस) बचपन से अच्छे-बुरे की समझ देनेवाले माता-पिता अक्सर अपनी संतानों को गलती करने पर फटकार भी लगाते हैं और यह डांट-फटकार इसलिए होती है ताकि भविष्य में उनकी संतान कोई गलती न करें। लेकिन संतानें डांट-फटकार का उद्देश्य जानने के बजाए अपने माता-पिता से नाराज होकर ऐसे कदम उठा लेती हैं, जो जीवनभर उन्हें दर्द देता हैं। ऐसी ही एक घटना अहमदाबाद के राणीप क्षेत्र से सामने आई है, जिसमें एक पिता ने अपने बेटे को प्रेम संबंधों के बजाए पढ़ाई ध्यान देने की हिदायत दी थी। पिता की हिदायत बेटे को इतनी बुरी लगी कि उसने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। घटना के वक्त नाबालिग लड़के को छोड़ अन्य कोई मौजूद नहीं था। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद में गांधी आश्रम के निकट स्थित केवल निवास में नील पाटील नामक नाबालिग लड़के ने अपने घर में फांसी लगा ली। सूचना मिलते ही राणीप पिस घटनास्थल पर पहुंच गई और प्राथमिक जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को उतारकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। आसपास पूछताछ में पता चला कि नील पाटील के माता-पिता उत्तराखंड घूमने गए हैं। जिसके बाद राणीप पुलिस ने नील के पिता से बातचीत की। पिता ने बताया कि नील पाटील डिप्लोमा कर रहा था और उसके साथ में पढ़ाई कर रही एक किशोरी के साथ प्रेम संबंध थे। जिसे लेकर नील से कहा था कि यह समय पढ़ाई करने के लिए प्रेम संबंध बनाने का नहीं। शायद यही बात नील पाटील को रास नहीं आई और उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। प्राथमिक जांच में पता चला कि मृतक नील पाटील के पिता अहमदाबाद के गोमतीपुर पुलिस थाने में बतौर हेड कांस्टेबल सेवारत हैं।

गुजरात पुलिस के 19 पुलिस अधिकारी और जवानों को राष्ट्रपति पुलिस पदक

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात राज्य पुलिस में सेवारत 19 पुलिस अधिकारी और जवानों को राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएगा। 2 पुलिस अधिकारियों को विशिष्ट सेवा पदक से और 17 पुलिस जवानों को प्रशंसनीय सेवा पदक से नवाजा जाएगा। आईपीएस नरसिम्हा एन कोमार और निशस्त्र सहायक उप निरीक्षक भरतसिंह दौलतसिंह वाघेला का विशिष्ट सेवा पदक के लिए चयन किया गया हैं। वहीं निशस्त्र पुलिस उपाधीक्षक वीजे राठौड (गांधीनगर), पुलिस उपाधीक्षक डीजे चावडा (सूरत), पुलिस उपाधीक्षक सीएल सोलंकी (पाटन), पुलिस उपाधीक्षक आरबी देवधा (सुरेन्द्रनगर), पुलिस उपाधीक्षक एनएम पटेल (जामनगर), पुलिस उपाधीक्षक वीए परमार (अहमदाबाद), सशस्त्र पुलिस निरीक्षक डीजे आहिर (अहमदाबाद), वायरलैस पुलिस निरीक्षक डीके कोष्टी (गांधीनगर), सशस्त्र पुलिस निरीक्षक आरडी राणावत (अहमदाबाद), निशस्त्र सहायक उप निरीक्षक महेश कुमार कालीदास राठौड़ (नडियाद-खेडा), निशस्त्र सहायक उप निरीक्षक महमद युसूफ इस्माइल शेख (आणंद), निशस्त्र सहायक उप निरीक्षक पंकज बाबुभाई पटेल (सूरत शहर), निशस्त्र सहायक उप निरीक्षक जगदीश मेवाभाई रबारी (अहमदाबाद ग्रामीण), निशस्त्र सहायक उप निरीक्षक प्रहलादसिंह रतनसिंह मकवाणा (अहमदाबाद शहर), निशस्त्र सहायक उप निरीक्षक विजय बहादुरसिंह डोडिया (सूरत शहर), निशस्त्र हेड कांस्टेबल महेन्द्रसिंह वेलुभाई गोहिल (अहमदाबाद शहर) और निशस्त्र हेड कांस्टेबल वसंतभाई जीवाभाई पटेल (अहमदाबाद शहर) को प्रशंसनीय सेवा पदक से सम्मानित किया जाएगा। गुजरात के पुलिस महा निदेशक आशीष भाटिया ने राष्ट्रपति पद प्राप्त करनेवाले पुलिस अधिकारी और जवानों को अभिनंदन दिया हैं।

एक सप्ताह से लापता अहमदाबाद के युवक का मेश्वो डेम से शव बरामद

अरवल्ली (ईएमएस) पिछले एक सप्ताह से लापता अहमदाबाद के युवक का उत्तर गुजरात के मेश्वो डेम से शव बरामद हुआ हैं। एक सप्ताह पहले युवक मोडासा स्थित इंजीनियरींग कॉलेज में मार्कशीट लेने गया था, जिसके बाद से उसका कोई अता पता नहीं था। परिवार की शिकायत के आधार पर मोडासा पुलिस युवक की तलाश कर रही थी। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद निवासी एक विद्यार्थी एक सप्ताह पहले अरवल्ली जिले के मोडासा स्थित इंजीनियरींग कॉलेज में मार्कशीट लेने गया था। जिसके बाद युवक अपने घर नहीं लौटा। युवक के घर नहीं लौटने पर परिवार ने मोडासा पुलिस थाने में बेटे के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। जिसके आधार पर मोडासा पुलिस जांच कर रही थी। एक सप्ताह से लापता बेटे को लेकर परिवार काफी परेशान था। एक सप्ताह के बाद आज सुबह अरवल्ली जिले के शामलाजी के मेश्वो डेम से युवक का शव बरामद हुआ हैं। मार्कशीट लेने कॉलेज गया युवक आखिर मेश्वो डेम कैसे पहुंचा? युवक ने आत्महत्या की है या उसकी हत्या की गई या फिर किसी अन्य वजहों से उसकी मौत हुई है? मोडासा पुलिस इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच शुरू की हैं।

राज्यपाल का जनता के नाम सन्देश गणतंत्र दिवस पर

दूरदर्शन केन्द्र से प्रसारित किया जाएगा

भारत के गणतंत्र दिवस के अवसर पर गुजरात के राज्यपालश्री आचार्य देवव्रत का जनता के नाम सन्देश दूरदर्शन से 26 जनवरी सुबह 8:30 बजे प्रसारित किया जाएगा।

विजय रूपाणी की नाराजगी पर पाटिल का बयान

भाजपा में कोई नाराजगी नहीं है : सी.आर. पाटिल

गांधीनगर, २५ जनवरी ।

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी से नाराजगी की चर्चा के बीच भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल ने बड़ा बयान दिया है। पाटिल ने कहा कि भाजपा में कोई नाराजगी नहीं है और आज के पीएम मोदी के नमो एप से पेज कमेटी के सदस्यों के साथ चर्चा में विजयभाई रूपाणी भी शामिल हुए। पाटिल ने कहा कि फिलहाल कोई नाराज नहीं है और पार्टी में जिम्मेदारियां बदलती रहती है। इसलिए इसे नाराजगी नहीं कहा जाना चाहिए।

पाटिल ने कहा कि पीएम मोदी ने नमो एप से पेज कमेटी के सदस्यों से चर्चा की, कार्यक्रम में मोदी ने राज्य की ८ पेज की समितियों के सदस्यों से बातचीत की। उन्होंने पेज कमेटी के सदस्यों से कुपोषण पर काम करने की पहल करने का अनुरोध किया। पीएम मोदी ने जो सुझाव दिया है हम जल्द कुपोषण के खात्मे को लेकर काम शुरू करेंगे।

राजकोट में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के कार्यक्रम के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी को कार्यक्रम में शामिल होने का न्योता नहीं दिया गया था। इतना ही नहीं निमंत्रण पत्रिका से भी रूपाणी का नाम गायब था। जिसके बाद से विजय रूपाणी की नाराजगी की चर्चा तेज हो गई है। राजकोट में लक्ष्मीनगर अंडर ब्रिज का उद्घाटन मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सोमवार को किया था। लक्ष्मीनगर अंडर ब्रिज के उद्घाटन कार्यक्रम के निमंत्रण पत्र में पूर्व मुख्यमंत्री और राजकोट पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक विजयभाई रूपाणी का नाम नहीं था. विजय रूपाणी भले ही मुख्यमंत्री नहीं हैं, फिर भी वे राजकोट पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र के विधायक हैं। लक्ष्मीनगर अंडर ब्रिज के उद्घाटन के निमंत्रण पत्रिका पर विजय रूपानी को छोड़कर राजकोट के सभी विधायकों के नाम थे, जिसके बाद विवाद शुरू हो गया था कि पार्टी ने रूपाणी का नाम जानबूझकर हटा दिया है। पत्रिका में रूपाणी से कई गुना ज्यादा जूनियर विधायकों के नाम लिखा गया था।

गूगल में नौकरी कर चुकी दिल्ली की महिला के घर से ३५ यूनि. की २३७ डिग्री और ५१० मार्कशीट मिली

राजपीपला एलसीबी ने दिल्ली से एक महिला को गिरफ्तार कर फर्जी डिग्री मार्कशीट घोटाले का पर्दाफाश किया है।

राजपीपला, २५ जनवरी ।

गुजरात में नर्मदा जिले के राजपीपला थाने में दर्ज शिकायत के आधार पर जिले की लोकल क्राइम ब्रांच (एलसीबी) ने दिल्ली से एक महिला को गिरफ्तार कर देशव्यापी फर्जी डिग्री मार्कशीट घोटाले का पर्दाफाश किया है। महिला के घर से देश भर के ३५ विश्वविद्यालयों की फर्जी २३७ डिग्री और ५१० मार्कशीट भी जब्त की गई हैं। पुलिस ने महिला को ६ दिनों की रिमांड पर लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है।

बीते १० दिसंबर, २०२१ को राजपीपला की बिरसामुंडा ट्रायबल यूनिवर्सिटी की एक फर्जी वेबसाइट बनाने की बात सामने आई थी। इसके अलावा सर्टिफिकेशन वेरिफिकेशन के लिए एक फर्जी डिग्री भी बनाई गई थी। इस मामले में रजिस्ट्रार ने राजपीपला थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद राजपीपला पुलिस और नर्मदा एलसीबी समेत टीमों ने जांच शुरू की थी।

जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि फर्जी डिग्री सर्टिफिकेट नई दिल्ली स्थित बेउलानंद रेव बीसी नंद नाम की एक महिला द्वारा बनाई गई है। महिला राजापुरी रोड, उत्तमनगर की रहने वाली है। इसकी जानकारी मिलते ही एलसीबी की टीम नई दिल्ली पहुंची और आरोपी महिला को अरेस्ट कर लिया।

इसके बाद उसके घर की तलाशी लेने पर देशव्यापी फर्जी डिग्री मार्कशीट बनाने का खुलासा हुआ। टीम ने बीसी नंद के घर से देश की ३५ विभिन्न यूनिवर्सिटीज की डिग्री सर्टिफिकेट, मार्कशीट, स्टेशनरी, कलर प्रिंटर मशीन के साथ-साथ ९४ रबर स्टेंप और डिग्री सर्टिफिकेट व मार्कशीट पर लगाए जाने वाले होलमार्क भी जब्त किए। महिला की गिरफ्तारी के साथ एक चौंकाने वाला खुलासा यह भी हुआ है कि वह अलग-अलग एजुकेशन यूनिवर्सिटी तथा संस्थाओं की कुल ७३ वेबसाइट के डोमेन भी हैंडिल करती थी। अब इसकी जांच सायबर पुलिस कर रही है। पुलिस अब गुजरात और गुजरात के बाहर के उन ३१ एजेंटों की तलाश शुरू कर रही है, जो आरोपी महिला के संपर्क में थे। नर्मदा जिले के डिप्टी एसपी वाणी दूधात के नेतृत्व में ४ टीमें बनाई गई हैं, जो इस मामले की तह तक जाएंगी। वहीं, इस घोटाले में बड़े नेताओं की संलिप्तता सामने आने की संभावना है।

नर्मदा जिले के पुलिस प्रमुख हिमकर सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि फर्जी डिग्री सर्टिफिकेट और मार्कशीट के साथ गिरफ्तार महिला बेउला नंद रेव बीसी नंद को छह दिन के रिमांड पर लिया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है। वहीं, इसके बारे में जानकारी मिली है कि वह डिप्लोमा कंप्यूटर इंजीनियर है और इससे पहले गूगल में भी नौकरी कर चुकी है। महिला के बारे में और जानकारी जुटाई जा रही हैं।

26 जनवरी को अहमदाबाद मंडल पर 73 वा गणतंत्र दिवस का आयोजन

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर कल दिनांक 26 जनवरी 2022 को अहमदाबाद मंडल स्पोर्ट ग्राउन्ड साबरमती पर गणतंत्र दिवस का आयोजन किया जाएगा।

मंडल रेल रेल प्रवक्ता के अनुसार कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 08:00 बजे से होगी। कार्यक्रम की शुरुआत मण्डल रेल प्रबंधक श्री तरुण जैन द्वारा ध्वजारोहण व राष्ट्रगान के साथ होगी। इसके उपरांत रेलवे सुरक्षा बल, भारत स्काउट एवं गाइड तथा सिविल डिफेंस की यूनिटों की परेड का निरीक्षण किया जाएगा। तथा डीआरएम श्री जैन द्वारा महाप्रबंधक महोदय का गणतंत्र दिवस संदेश का वाचन किया जाएगा। तत्पश्चात कला एवं सांस्कृतिक संघ द्वारा देशभक्ति कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जायेगी। एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को पुरस्कार वितरण किया जाएगा।

पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन अहमदाबाद मण्डल द्वारा रेल परिवार के सदस्यों को गृहोपयोगी सामग्री का वितरण किया जाएगा।

अहमदाबाद मंडल पर हिम्मतनगर, महेसाणा तथा पालनपुर स्टेशनों पर

स्मारक ध्वज (मॉन्यूमेंटल फ्लैग) तथा यात्री लिफ्ट का लोकार्पण

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर दिनांक 25 जनवरी 2022 को हिम्मतनगर, महेसाणा तथा पालनपुर स्टेशनों पर स्मारक ध्वज (मॉन्यूमेंटल फ्लैग) तथा यात्री लिफ्ट का लोकार्पण किया गया।

माननीय सांसद श्री दीप सिंह एस.राठौड़ द्वारा हिम्मतनगर रेलवे स्टेशन पर तथा माननीया सांसद श्रीमती शारदा बेन पटेल द्वारा महेसाणा स्टेशन पर स्मारक ध्वज का लोकार्पण किया गया।

माननीय सांसद श्री पर्बत भाई पटेल द्वारा वीडियो लिंक के माध्यम से पालनपुर स्टेशन पर स्मारक ध्वज तथा 3 यात्री लिफ्ट जिनकी लागत 0.72 करोड रु. का लोकार्पण किया गया।

इस अवसर पर माननीया सांसद श्रीमती शारदा बेन पटेल, माननीय सांसद श्री दीप सिंह एस. राठौड़ तथा मण्डल रेल प्रबंधक श्री तरुण जैन, रेल अधिकारी व कर्मचारी एंव स्थानीय नागरिक व रेल यात्री भी उपस्थित थे।

इन स्मारक ध्वज के लगाए जाने से रेलवे स्टेशन एवं शहरों का गौरव बढ़ेगा तथा यह यात्रियों व नागरिकों में राष्ट्रप्रेम की अटूट श्रद्धा, भावना तथा आस्था का प्रतीक बनेगा। ये स्मारक ध्वज चौबीस घंटे फहराएंगे जिससे आस पास के क्षेत्र व रेल परिसर का सौंदर्य भी बढ़ेगा।

गुजरात में जल्द बजेगी रणभेरी

फरवरी में बजट, मार्च में वाइब्रंट समिट व मई में विस चुनाव संभव

अहमदाबाद, २५ जनवरी ।

भाजपा का पूरा जोर अभी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव पर है। इसके तुरंत बाद ही गुजरात में भी चुनाव कराए जा सकते हैं। हालांकि भाजपा नेताओं का कहना है कि प्रदेश में जल्द चुनाव कराने की कोई योजना नहीं हैं, पर भाजपा की तैयारी ही उनकी पोल खोल रही है। सरकार और संगठन में चल रही चहल-पहल से चुनाव नजदीक होने के संकेत मिलने लगे हैं। उत्तर प्रदेश समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद मई में गुजरात विधानसभा चुनाव कराने के लिए भाजपा सरकार, संगठन और हाईकमांड गंभीरता से विचार कर रहा है। फरवरी में ''वोट ऑन अकाउंट' के साथ बजट, मार्च में वाइब्रंट और मई में चुनाव के सियासी गणित के साथ भाजपा आगे बढ़ रही है। इससे बिखरे विपक्ष को एकजुट और मजबूत होने का मौका नहीं मिलेगा।

भाजपा की संसदीय बोर्ड और अनुशासन समिति ने २१ जनवरी को १४ सदस्यों की प्रदेश चुनाव समिति की घोषणा कर दी है। समिति में विजय रूपाणी, नीतिन पटेल, भूपेंद्रसिंह चूड़ासमा और जसवंतसिंह भाभोर भी हैं। इसके अलावा १२ कोर ग्रुप के सदस्यों भी घोषणा भी की गई है।

सीआर पाटिल ने १९ जनवरी को ५७९ मंडल के साथ वर्चुअल बैठक की थी। जिसमें बूथ समिति और पेज समिति को मजबूत करने का मार्गदर्शन दिया था। मोदी २५ जनवरी को नमो एप के जरिए पेज समिति के कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। वहीं, राज्य सरकार बजट के साथ स्थगित वाइब्रंट समिट आयोजित करके जनता का दिल जीतने का पूरा प्रयास करेगी।

आप भी पैर पसार रही है। निकाय चुनावों में कांग्रेस को पीछे छोड़ आगे बढ़ रही है। भाजपा कार्यालय में विरोध के दौरान आप नेता इसुदान गढ़वी पर आरोप लगने के बाद पार्टी में अंतर्कलह शुरू हो गई है। विजय सुवाणा और महेश सवाणी पार्टी छोड़ चुके हैं। पार्टी में कोई बड़ा चेहरा नहीं है, जिसके सहारे विधानसभा चुनाव लड़ सके।

गणतंत्र दिवस मनाने की बचपन की यादों को साझा करतेहुए ज़ीटीवी के कलाकार भावुक हो गए

भारत के 73वें गणतंत्र दिवस के अवसरपर, ज़ीटीवी के कलाकारजैसे 'मीत' से वैष्णवीमैकडोनाल्डऔरआशी सिंह, 'भाग्य लक्ष्मी' से ऐश्वर्या खरे, 'काशीबाईबाजीरावबल्लाळ' से आरोहीपटेल, 'अगरतुमनाहोते' से सिमरनकौरऔरहिमांशुसोनीऔर 'इस मोड़ से जातेहै' से हितेशभारद्वाज अपनेंपुरानेदिनोंकी यादों से भावुकहोकर इस विशेषदिन की अपनीबचपन की यादों केबारेमेंबताया।

ज़ीटीवी के 'मीत'मेंमीतहुडा की भूमिका निभानेवाली आशी सिंह ने कहा, "गणतंत्र दिवस हमारेदेश के निर्माणमेंसबसेमहत्वपूर्ण क्षणोंमें से एक हैऔर मुझे गर्वहैकिहमारेदेश ने अपने नागरिकों के सभी अधिकारों को बरकरार रखा है और हमेंअपने विचार व्यक्तकरनेऔर स्वतंत्र रूप से घूमने की आज़ादीहै।सभी को गणतंत्र दिवस की बहुत.बहुत शुभकामनाएं।"

ज़ीटीवी के 'मीत'मेंअनुभा की भूमिकानिभानेवालीवैष्णवीमैकडोनाल्ड ने कहा, "मुझे सचमेंविश्वासहैकिगणतंत्र दिवसहरभारतीय को एक दूसरे के करीबलाताहै क्योंकिहमहमारेदेश की समश्द्ध विरासत से बंधेहैं, और एक भारतीय होनेपर मुझे बहुतगर्वहै।मैंने भी हर साल गणतंत्र दिवसमनाने का आनंद लियाहै।

ज़ीटीवी के 'भाग्य लक्ष्मी'में लक्ष्मी की भूमिकानिभानेवाली ऐश्वर्या खरे ने कहा, "गणतंत्र दिवसहमारेदेश के लिए एक महत्वपूर्णदिनहै क्योंकि यह दर्शाताहैकिहमारादेश न केवल स्वतंत्र है, बल्किइसकाअपनासंविधानभीहै, जिसकेमाध्यम से हमअपनी सरकार और अपना प्रधानमंत्री चुनने का विशेषाधिकारप्राप्तकरतेहैं। यह वास्तव में मजेदारहैऔरमेरेबचपन की बहुतसारी यादेंवापसलाताहै।मैंकाम ना करतीहूँ कि पूरेभारत में हरकोई इस वर्षभी पूरेजोश और उत्साह के साथ गणतंत्र दिवसमनाए।"

इस गणतंत्र दिवस पर सैदपुर गांव और इसके लोगों को अंबुजा सीमेंट्स का सलाम - #IndiaSalutesSaidpur

मुंबई, 25 जनवरी, 2022- इस गणतंत्र दिवस पर अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड उत्तरप्रदेश के गांव सैदपुर की प्रेरक कहानी लोगों के सामने लेकर आया है। यह एक ऐसा गांव है, जहां लगभग हर घर से किसी एक सदस्य को देश की सरहदों की रक्षा करने के लिए फौज में भेजा जाता है। गांव में यह एक ऐसी परंपरा है, जिसका पालन लगातार किया जा रहा है।

#IndiaSalutesSaidpur शीर्षक वाली 2 मिनट लंबी एक डिजिटल फिल्म में इस गांव और इसके वाशिंदों की जिंदगी को दर्शाया गया है, जिसमें वे सरहदों की रक्षा के अपने वचन को निभाते नजर आते हैं।

सैदपुर यूपी का एक छोटा-सा गांव है। इस गांव में लगभग 3,500 पूर्व सैनिक हैं और 1,500 से अधिक सैनिक डयूटी निभा रहे हैं। गांव में एक इंटर कॉलेज है, जिसके माध्यम से, यह गांव स्वतंत्रता से पहले से ही भारत की रक्षा करने की गौरवपूर्ण परंपरा को बनाए रखते हुए, गांवों और जिले के युवाओं को फौज के लिए तैयार करता है।

अंबुजा सीमेंट्स के एमडी और सीईओ श्री नीरज अखौरी ने कहा, ''सैदपुर की कहानी वास्तव में बहुत प्रेरणादायक है। इसने एक मेजर जनरल और भारतीय वायु सेना के लिए महिला पायलट तैयार किए हैं और देश को 95 शहीद दिए हैं। फिर भी प्रत्येक नई पीढ़ी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक है।

स्कूल संचालकों की ऑफलाइन शिक्षा शुरू करने की मांग

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कोरोना के दैनिक केसों में आंशिक कमी आते ही स्कूल संचालकों ने ऑफलाइन शिक्षा शुरू करने की मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और शिक्षा मंत्री जीतु वाघाणी से पेशकश की हैं। हांलाकि सरकार फिलहाल कोई जोखिम उठाना नहीं चाहती। बता दें कि राज्य में कोरोना संक्रमण तेजी से फैलता देख सरकार ने 31 जनवरी 2022 तक ऑफलाइन शिक्षा बंद करने का आदेश दिया था। दो दिनों से राज्य में कोरोना संक्रमण घटना देख स्कूल संचालकों ने पुनः ऑफलाइन शिक्षा शुरू करने की सरकार से मांग की हैं। लेकिन गुजरात सरकार फिलहाल ऐसा कोई जोखिम लेना चाहती हैं। सूत्रों के मुताबिक आगामी 31 जनवरी के बाद भी राज्य में ऑफलाइन स्कूलें शुरू होने की कोई संभावना नहीं लगती। राज्य में स्कूलें शुरू करने के बारे मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ही फैसला करेंगे। कोरोना संक्रमण घटता है तो पहले कक्षा 6 से 9 की ऑफलाइन शिक्षा शुरू की जाएगी। जिसके पश्चात कोरोना की स्थिति को देखते हुए कदम उठाए जाएंगे। गौरतलब है कोरोना की संभावित तीसरी लहर और ओमिक्रॉन की दहशत के बीच राज्य में प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्कूलों में शिक्षा कार्य आगामी 31 जनवरी तक बंद हैं। फिलहाल तो राज्य सरकार ने ऑनलाइन शिक्षा जारी रखने का आदेश दिया हैं। 31 जनवरी के बाद कोरोना की स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार नई मार्गदर्शिका जारी कर सकती हैं। दूसरी ओर राष्ट्रीय शिक्षक संघ ने शिक्षा मंत्री को पत्र लिखकर स्कूलों में ओड ईवन पद्धति से शिक्षकों से काम लेने की पेशकश की गई हैं। साथ ही स्कूलों में जब विद्यार्थियों की उपस्थिति ही नहीं है तो स्टाफ को कामकाज से छूट देने और स्कूल के समय में फेरबदल करने की मांग की हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय शिक्षक संघ ने मुख्यमंत्री को भी एक पत्र लिखा हैं। जिसमें शिक्षकों के महंगाई भत्ते में वृद्धि करने की मांग की हैं। संघ के मुताबिक केन्द्र सरकार द्वारा शिक्षकों के लिए महंगाई भत्ता 28 प्रतिशत से बढ़ाकर 31 प्रतिशत कर दियागया हैं। उसी के मुताबिक राज्य सरकार के शिक्षकों के लिए भी महंगाई भत्ते में 3 फीसदी की बढ़ोत्तरी करने की मुख्यमंत्री से मांग की हैं।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95